RNI No.: UPHIN/25/A1697

GARVI GUJARAT

गरवी गुजरात

गरवी गुजरात

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 138
दि. 17.09.2025,
बुधवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : ASHWANI KUMAR Regd. Office: TF-01, Nanakram Super Market,Ramnagar,Sabarmati, Ahmedabad-380 005. Gujarat, India.

Phone : 90163 33307 (M) 93283 33307, 98253 33307 • Email : garvigujarat2007@gmail.com • Email : garvigujarat2007@yahoo.com • Website : www.garvigujarat.co.in

संक्षिप्त समाचार

डेनमार्क के पीएम के साथ प्रधानमंत्री मोदी की बातचीत, भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते पर हुई बात

डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिक्सन ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ टेलीफोन पर बातचीत के दौरान पारस्परिक रूप से लाभकारी भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते के समापन के लिए अपने देश का मजबूत समर्थन व्यक्त किया। भारत और डेनमार्क के बीच द्विपक्षीय संबंधों को और सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत, डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिक्सन और भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बीच मंगलवार को टेलीफोन पर बातचीत हुई।

पीएम मोदी के 75वें जन्मदिन पर ट्रम्प ने फोन कर दी बधाई ? क्या भारत-अमेरिका के बीच ट्रेड डील पर बात बनी ?

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 17 सितंबर 2025 को 75वां जन्मदिन है। जन्मदिन की पूर्व संध्या पर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने पीएम मोदी को फोन कर उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दी है। पीएम मोदी ने खुद सोशल मीडिया पर ये जानकारी शेयर की है।

यह बधाई ऐसे समय में आई है, जब दोनों देशों के बीच व्यापार समझौते (ट्रेड डील) को लेकर बातचीत फिर से शुरू हो गई है। मंगलवार को दोनों देशों के प्रतिनिधियों के बीच लगभग सात घंटे तक बैठक चली। इसके कुछ घंटे बाद पीएम नरेंद्र मोदी को राष्ट्रपति ट्रम्प ने बधाई दी।

पीएम मोदी बोले- मेरे दोस्त राष्ट्रपति ट्रंप ने बधाई दी

पीएम मोदी ने पर एक पोस्ट के जरिए ये जानकारी साझा की। उन्होंने लिखा, "मेरे दोस्त, राष्ट्रपति ट्रंप, मेरे 75वें जन्मदिन पर आपके फोन कॉल और हार्दिक शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद।"

पीएम मोदी ने आगे कहा, "आपकी तरह मैं भी भारत-अमेरिका व्यापक और वैश्विक साझेदारी को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हूं। हम यूक्रेन संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान की दिशा में आपकी पहल का समर्थन करते हैं।"

पीएम मोदी को जमदिन को बधाई देने के बाद ट्रम्प ने भी ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट लिखी, जिसमें उन्होंने लिखा, "अभी-अभी मेरे मित्र, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ एक अद्भुत फोन कॉल हुई। मैंने उन्हें जन्मदिन की बहुत-बहुत शुभकामनाएं दीं! वह शानदार काम कर रहे हैं। नरेंद्र मोदी रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध समाप्त करने में आपके समर्थन के लिए धन्यवाद!"

अमेरिकी दूतावास ने भी पुष्टि की कि द्विपक्षीय व्यापार वार्ता को लेकर हुई यह बैठक काफी सकारात्मक रही। भारतीय वाणिज्य मंत्रालय के एक बयान के अनुसार, दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय व्यापार की अहमियत को स्वीकार करते हुए सकारात्मक और भविष्य पर केंद्रित चचाएं कीं। इस बैठक में व्यापार समझौते (बीटा) को जल्द पूरा करने के लिए प्रयासों को तेज करने का निर्णय लिया गया। ध्यान रहे कि एक सप्ताह के भीतर दोनों नेताओं के बीच यह दूसरी बातचीत थी।

गौरतलब हैं कि अमेरिका डोनाल्ड ट्रम्प ने दोबारा सत्ता संभालने के कुछ महीने बाद से ही भारत पर रूस से तेल खरीदन से रोकने के लिए दबाव बना रहा है ओर अब तक भारत से निर्यात किए जाने वाली वस्तुओं पर पहले 25 फीसदी और उसके बाद 25 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ जुमार्ना बताकर लगा दिया है।

उ.प्र. सीएम ने टीईटी को लेकर किया बड़ा फैसला, सुप्रीमकोर्ट में रिवीजन याचिका दाखिल करेगी योगी सरकार

नई दिल्ली, (जीएनएस)। मुख्यमंत्री जी ने एक्स पर ट्वीट कर लिखा कि प्रदेश के शिक्षक अनुभवी हैं और समय- समय पर सरकार द्वारा उन्हें प्रशिक्षण प्रदान किया जाता रहा है. ऐसे में उनकी योग्यता और सेवा के वर्षों को नजरअंदाज करना उचित नहीं है. सीएम योगी ने कहा कि प्रदेश के शिक्षक लंबे समय से बच्चों को पढ़ा रहे हैं और उनमें पर्याप्त अनुभव और योग्यता है. इसके अलावा सरकार समय-समय पर शिक्षकों को ट्रेनिंग और कार्यशालाओं के जरिए अपडेटेड करती रही है. ऐसे में उनकी सालों की सेवा और अनुभव को दरकिनार करना उचित नहीं होगा.

सीएम योगी ने अपनी पोस्ट में लिखा- ने बेसिक शिक्षा विभाग के सेवारत शिक्षकों के लिए ळएळ की अनिवार्यता पर माननीय उच्चतम न्यायालय के आदेश का रिवीजन दाखिल करने का विभाग को निर्देश दिया है. मुख्यमंत्री जी ने कहा है कि

प्रदेश के शिक्षक अनुभवी हैं और समय-समय पर सरकार द्वारा उन्हें प्रशिक्षण प्रदान और अधिक दिखाएं.

क्यों जरूरी है यह कदम ?

सुप्रीम कोर्ट के हालिया आदेश के अनुसार, शिक्षण कार्य के लिए ळएळ अनिवार्य कर दिया गया है. इससे पहले से नौकरी कर रहे हजारों शिक्षकों पर संकट खड़ा हो सकता है. सरकार का तर्क है कि लंबे समय से पढ़ा रहे शिक्षकों ने अपने काम और ट्रेनिंग से खुद को साबित किया है. ऐसे में नए उम्मीदवारों के लिए TET को जरूरी रखना ठीक है, लेकिन पुराने शिक्षकों पर इसका दबाव डालना अन्याय होगा

यूपी सरकार अब इस आदेश पर रिवीजन याचिका दाखिल करेगी. अगर कोर्ट ने सरकार की दलील मानी, तो वर्तमान में कार्यरत शिक्षकों को TET से छूट मिल सकती है.

भारतीय नौसेना जहाज कदमत्त सुवा, फिजी पहुंचा

(जीएनएस)।

स्वदेशी रूप से डिजाइन और निर्मित पनडुब्बी रोधी युद्धपोत, भारतीय नौसेना जहाज कदमत्त, अपनी तीन महीने की तैनाती के हिस्से के रूप में एक सद्भावना यात्रा के लिए 15 सितंबर 2025 को फिजी के सुवा पहुँच गया है।

यह बंदरगाह यात्रा भारत और फि जी के बीच गहरे ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और लोगों के आपसी संबंधों को दशार्ता है, साथ ही मित्र देशों के साथ समुद्री सहयोग और द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने की भारत की प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है।

इस यात्रा के दौरान, आईएनएस कदमत्त फिजी नौसेना के वरिष्ठ अधिकारियों की मेजबानी करेगा, ताकि व्यावसायिक आदान-प्रदान के जरिए आपसी हित के नए अवसर तलाशे जा सकें। पोत का दल सामुदायिक पहुंच कार्यक्रमों, खेल प्रतियोगिताओं और सांस्कृतिक आयोजनों में भी भाग लेगा, जिससे दोनों देशों के बीच मित्रता और सद्भाव के रिश्ते और मजबूत होंगे।

यह यात्रा भारत के 'महासागर' (क्षेत्र में सुरक्षा और विकास के लिए आपसी और समग्र उन्नति) के दृष्टिकोण पर प्रकाश डालती है और हिंद महासागर क्षेत्र में एक पसंदीदा सुरक्षित भागीदार के रूप में भारतीय नौसेना की भूमिका को रेखांकित करती है।

पीएम मोदी नहीं तय करेंगे की आपकी दाढ़ी कितनी लंबी हो', किस बात पर भड़के ओवैसी, मुसलमानों से क्यों बोली ये बात

बिहार चुनाव 2025 की तारीख अब किसी भी दिन घोषित की जा सकती है। इससे पहले विरोधी पार्टियां पीएम मोदी और उनकी सरकार को घेरने का एक भी मुद्दा नहीं छोड़ रही हैं। सोमवार को ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (AIMIM) के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने केंद्र सरकार और बीजेपी पर तीखा हमला बोला है। मीडिया को दिए इंटरव्यू में ओवैसी ने मोदी सरकार की नीतियों और उनके फैसलों पर सवाल उठाए हैं और पीएम मोदी पर कथित भेदभाव करने का आरोप लगाया है। इसके साथ ही ओवैसी ने मुस्लिम समुदाय का पक्ष रखते हुए सीधे कटाक्ष करते हुए कहा है कि पीएम मोदी जी नहीं तय करेंगे के कि हमारी दाढ़ी कितनी बड़ी हो। जानिए आखिर किस मुद्दें को लेकर ओवैसी ने इतना बड़ा बयान दिया है ?

दरअसल, अक्टक्ट प्रमुख ओवैसी ने वक्फ कानून को लेकर केंद्र सरकार के रवैये की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार वक्फ कानून के जरिए मुसलमानों की संपत्ति पर नियंत्रण करने की कोशिश कर रही है।

'मोदी जी यह तय नहीं करेंगे कि आपकी दाढ़ी कितनी लंबी होगी'

पीएम मोदी के द्वारा वक्फ बोर्ड के फैसले संबंधी मुद्दें पर ओवैसी ने कहा "मोदी जी यह तय नहीं करेंगे कि आपकी दाढ़ी कितनी लंबी होगी, नमाज पढ़नी है या नहीं, फातिहा आती है या नहीं। यह निजता का मामला है और सरकार का इसमें हस्तक्षेप गलत है।"

'एआई' का उद्देश्य मानवता की सेवा होना चाहिए: लोक सभा अध्यक्ष

एआई भारत के प्राचीन ज्ञान और ज्ञान प्रणालियों को विश्व तक पहुँचाने के सशक्त माध्यम के रूप में कार्य कर सकता है: लोक सभा अध्यक्ष

प्रौद्योगिकी का सही उद्देश्य मानवीय अनुभव को समृद्ध बनाना है: लोक सभा अध्यक्ष

लोक सभा अध्यक्ष ने देव संस्कृति विश्वविद्यालय, हरिद्वार में "फेथ एण्ड फ्यूचर: इंटेग्रेटिंग एआई विद स्पिरिचुयलिटी " विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन किया

(जीएनएस)।

लोक सभा अध्यक्ष, श्री ओम बिरला ने आज कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को सदैव मानवता की सेवा करनी चाहिए और इसे मानव को नियंत्रित करने का साधन नहीं बनने देना चाहिए। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि एआई आध्यात्मिक ज्ञान और नैतिक उत्तरदायित्व पर आधारित हो, तभी इससे समाज की भलाई हो सकती है।

श्री बिरला ने यह बातें हरिद्वार स्थित देव संस्कृति विश्वविद्यालय में " फेथ एण्ड फ्यूचर : इंटेग्रेटिंग एआई विद स्पिरिचुयलिटी " विषय पर आयोजित

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में उद्घाटन भाषण देते हुए कहीं । यह सम्मेलन फ्यूचर ऑफ लाइफ इंस्टीट्यूट (अमेरिका) के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है।

श्री बिरला ने इस बात पर जोर दिया कि प्रौद्योगिकी का वास्तविक उद्देश्य मानव अनुभव को समृद्ध बनाना है, न कि उसका स्थान लेना। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि एआई से कई चुनौतियाँ तो आती हैं, लेकिन इसके साथ ही इससे नए समाधान भी निकलते हैं । नैतिकता और सत्य को भारत की ताकत बताते हुए, श्री बिरला ने इन मूल्यों को विश्व स्तर पर साझा करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि एआई भारत के प्राचीन ज्ञान और ज्ञान प्रणालियों को दुनिया तक पहुँचाने के लिए एक सशक्त माध्यम बन सकता है।

श्री बिरला ने यह भी कहा कि एआई एक शक्तिशाली साधन है, जिससे सकारात्मक परिणाम प्राप्त करने के लिए बुद्धिमत्ता और धैर्य चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि करुणा, सहानुभूति और मानवीय मूल्यों के सामवेश से एआई और आध्यात्मिकता का एकीकरण करते हुए इसे सही दिशा में ले जाया जा सकता है और एक न्यायसंगत एवं समतावादी भविष्य की नींव रखी जा सकती है । श्री बिरला ने स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, कृषि और लोक कल्याण जैसे क्षेत्रों में एआई की परिवर्तनकारी क्षमता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इससे लाखों लोगों के जीवन की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार आ सकता है।

'व स ु ध ै व कुटुम्बकम' (विश्व एक परिवार है) और 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' (सभी सुखी हों) के भारत के प्राचीन आदर्शों का उल्लेख करते हुए, श्री बिरला ने इस बात पर जोर दिया कि एआई का विकास समावेशी और समतापूर्ण होना चाहिए, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि इसका लाभ समस्त मानवता तक पहुँचे। उन्होंने आशा व्यक्त की कि इस सम्मेलन से आध्यात्मिकता और आधुनिक तकनीकी प्रगति के बीच एक सार्थक वैश्विक संवाद की शुरूआत होगी, जिससे मानवता के लिए अधिक करुणामय और नीतिपरक भविष्य का मार्ग प्रशस्त होगा ।

इस अवसर पर हरिद्वार के मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी और अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित रहे।

एशिया कप मुकाबले में बांग्लादेश ने अफगानिस्तान पर आठ रन से जीत हासिल की

बांग्लादेश ने एक महत्वपूर्ण ग्रुप लीग मैच में अफगानिस्तान पर आठ रन से संकरी जीत हासिल की, जिससे एशिया कप सुपर फोर में उनकी उम्मीदें बरकरार हैं। श्रीलंका से छह विकेट से हारने के बाद, बांग्लादेश को इस जीत की जरूरत थी, जो एक करीबी मुकाबले में सामूहिक प्रयास से हासिल हुई, जहाँ गति अक्सर बदलती रहती थी। आधे समय में, अफगानिस्तान का पलड़ा भारी लग रहा था, जिसने बांग्लादेश को पाँच विकेट पर 154 रन पर रोक दिया था। हालाँकि, वे लड़खड़ा गए और 20 ओवर में 146 रन पर आउट हो गए। अजमतुल्लाह ओमरजई की 16 गेंदों में 30 रन की तेज पारी।

जिसमें सैफ हसन के ओवर से 20 रन शामिल थे, ने 16वें ओवर में तस्कीन अहमद द्वारा आउट होने से पहले अफगानिस्तान की संभावनाओं को संक्षिप्त रूप से पुनर्जीवित किया।

मैच तेजी से समाप्त हुआ जब मुस्तफि जुर रहमान ने अंतिम ओवर से पहले लगातार गेंदों पर दो विकेट लिए, राशिद खान और ए एम

गजनफर को आउट किया। बांग्लादेश की फील्डिंग और दोनों पावरप्ले में दबदबा महत्वपूर्ण था, क्योंकि उन्होंने शुरूआत में बिना विकेट खोए 59 रन बनाए थे और बाद में अफगानिस्तान को दो विकेट पर 27 रन पर रोक दिया था।

नसुम अहमद ने अपनी पहली गेंद को सतह से स्किड करके सेदीकुल्लाह अटल को एलबीडब्ल्यू आउट करके बांग्लादेश के लिए लय बनाई। उन्होंने पावरप्ले में भी प्रहार किया, इब्राहिम जादरान को आउट किया। रहमानुल्ला गुरबाज के शीर्ष पर प्रयासों के बावजूद, अफगानिस्तान संघर्ष करता रहा क्योंकि गुलबदीन नायब भी कोई प्रभाव नहीं डाल सके।

बांग्लादेश के स्पिनर नसुम अहमद और रिषाद हुसैन ने अपने अफगानी समकक्षों को पीछे छोड़ दिया। नसुम ने 4-1-11-2 के आंकड़े दर्ज किए, जबकि रिषाद ने 2/18 विकेट लिए। इसके विपरीत, अफगानी स्पिनर राशिद खान और नूर अहमद क्रमशः 2/26 और 2/23 के आंकड़े बनाने में सफल रहे।

बल्लेबाजी की मुख्य बातें

बांग्लादेश की पारी को तंजीद हसन की 31 गेंदों में 52 रन की पारी और सैफ हसन के साथ उनकी 63 रन की शुरूआती साझेदारी से बल मिला।

पीएम विश्वकर्मा के दो साल पूरे: गुजरात के 1.81+ लाख कारीगर सशक्त, अब तक ₹290+ करोड़ का लोन वितरण

गांधीनगर, 16 सितम्बरः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अनुसार भारतीय कारीगरों की कला और कौशल केवल आर्थिक साधन नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक धरोहर और आत्मनिर्भरता का प्रतीक है। देश के इन्हीं पारंपरिक कारीगरों को सशक्त बनाने और उनके हुनर को वैश्विक पहचान देने के उद्देश्य से उन्होंने वर्ष 2023 में अपने जन्मदिवस 17 सितम्बर के दिन प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना की शुरूआत की। उनका यह प्रयास पारंपरिक हुनर को आधुनिक स्वरूप में विकसित करने, कारीगरों को वित्तीय और तकनीकी सशक्तिकरण देने तथा उन्हें नए अवसर उपलब्ध कराने के लिए है।

गुजरात उनके इस महत्वाकांक्षी संकल्प को मूर्त रूप देने में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में राज्य ने केवल दो वर्षों में ही पीएम विश्वकर्मा योजना का प्रभावी और परिणाममुखी कार्यान्वयन सुनिश्चित किया है, जिससे कारीगरों की

क्षमता, कौशल और आर्थिक स्थिति में ठोस सुधार देखने को मिला है।

₹390+ करोड़ के लोन, 2.14+ लाख सत्यापन और 1.81+ लाख प्रशिक्षण के साथ गुजरात का शानदार प्रदर्शन

गुजरात में पीएम विश्वकर्मा योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के आंकड़े दशार्ते हैं कि वित्तीय सशक्तिकरण के क्षेत्र में राज्य ने उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। अब तक 43,000+ कारीगरों के लिए कुल ₹390+ करोड़ के ऋण स्वीकृत कर दिए गए हैं, जिनमें से 32,000+ कारीगरों को ₹290+ करोड़ लोन का वितरण किया जा चुका है। वहीं पंजीकरण और सत्यापन प्रक्रिया में भी गुजरात का प्रदर्शन अच्छा है। अब तक राज्य में 2.14+ लाख कारीगरों का त्रि-स्तरीय सत्यापन पूरा हो चुका है।

प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना केवल वित्तीय सहायता तक सीमित नहीं है, बल्कि कौशल विकास को भी प्राथमिकता देती है। इसी दिशा में 1.81+ लाख कारीगरों ने प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा किया है, जिससे उनकी दक्षता और कार्यकुशलता में बढ़ोतरी हुई है।

इतना ही नहीं, कारीगरों की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए राज्य ने एक विशेष हेल्पडेस्क की भी स्थापना की है, जिससे अब तक 17,500 से अधिक शिकायतों सफल संबोधन हुआ है।

सम्पादकीय

संकट में अब्राहम समझौता

संकट में अब्राहम समझौता भूराजनीति में समय का बहुत महत्व होता है। 15 सितम्बर 2020 से लेकर 2025 में इसी तारीख तक काफी वुछ बदल चुका है। व्हाइट हाउस के गलियारे में 2020 में तत्कालीन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मध्यस्थता में अब्राहम समझौते संपन्न हुआ था, जिसके तहत बहरीन और यूएई जैसे इस्लामिक देशों ने इजरायल के साथ आने की सहमति जताई थी। असल में ईसाई, इस्लाम और यहूदी धर्म में अब्राहम ऐसे इंसान है, जिनका समान रूप से सम्मान है। ऐसे में उनके ही नाम पर यह अहम समझौता हुआ था लेकिन मजे की बात तो यह है कि जिस 15 सितम्बर की तारीख को यह समझौता हुआ था उसी दिन इजरायल के खिलाफ 60 इस्लामिक देशों का कतर की राजधानी में जुटान हुआ यानि अब्राहम समझौते का अस्तित्व 5 वर्ष में ही संकट ग्रास्त हो गया। सच तो यह है कि इजरायल ने कतर की राजधानी दोहा पर पिछले सप्ताह हमला करके हमास नेताओं को ठिकाने लगा दिया था, इसलिए वह यह बात भी भूल गया कि यमन तो दुनिया दो परस्पर विरोधियों का समझौता कराने के लिए मशहूर है। पाकिस्तान, सऊदी अरब, यूएई और मिरत्र सहित 60 देशों ने इजरायल के खिलाफ प्रास्ताव पारित किया। इसके अलावा फिलस्तीन को अंतर्राष्ट्रीय मान्यता देने वाले देशों की संख्या बढ़ाने के लिए संयुक्त राष्ट्र में एक प्रास्ताव लाने की बात हुई। भूराजनीतिक मामलों के विशेषज्ञ मानते हैं कि इजरायल ने जिस तरह गाजा में हालात बद से बदतर कर दिए हैं और जब जहां चाहता है वहीं बमों की वंषात कर देता है, इससे सारे ही इस्लामिक देश बेचैनी महसूस करने लगे हैं। यही कारण है कि जिस अब्राहम समझौते के तहत इस्लामिक देश इजरायल से नजदीकियां बढ़ाने के लिए संभावनाएं तलाश रहे थे, अब सभी एकमत से इस समझौते को भूल कर इजरायल से अपनी जान बचाने की चिन्ता करने लगे हैं। इन इस्लामिक देशों को लगता है कि इजरायल के मौजूदा दृष्टिकोण के रहते अब उससे नजदीकी बढ़ाना नुकसानदेह हो सकता है। अब्राहम समझौते का अहमियत का अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि इस समझौते के बाद जहां यूएई की कम्पनियों ने इजरायली टेक स्टार्टअप्स में निवेश किया था और गैस व तकनीक से जुड़े क्षेत्रों में पैसा लगाया था, वहीं इजरायल की सैंकड़ों वंपनियों ने यूएई में काम करना शुरू किया था। इजरायल और यूएई के बीच जुलाई 2025 तक 293 मिलियन डालर तक कारोबार पहुंच चुका था। एक आंकलन के मुताबिक यूएई के साथ इजरायल का कारोबार पिछले वर्ष की अपेक्षा 4 प्रातिशत अधिक था जबकि एक और इस्लामिक देश मोरक्को के साथ कारोबार में 32 प्रातिशत की वृद्धि हुई थी। मतलब यह कि इस्लामिक देश तो फिलस्तीन की वजह से इजरायल को दुश्मन मानते रहे हैं। एक वक्त तो ऐसा भी आया कि सात इस्लामिक देशों ने मिलकर एक साथ इजरायल के खिलाफ हमला कर दिया था। यह दूसरी बात है कि अमेरिका की मदद से इजरायल ने सभी शत्रु हमलावरों को न सिर्प हरा दिया बल्कि उनके हौंसले भी पस्त कर दिए। इस्लामिक देशों के मन-मस्तिष्क में इजरायल का डर इस हद तक बैठ गया था कि कोई भी इस्लामिक देश अकेले उससे भिड़ने का साहस नहीं जुटा पाता था। ईरान ने एच-3 यानि हूती, हिजबुल्ला और हमास का वित्त पोषण करने के लिए अपने बजट की निाति राशि खर्च करने की नीति अपनाई किन्तु फिर भी वह इजरायल को कमजोर करने की बजाए इतना संघर्षशील बना दिया कि वह सभी आतंकी गुटों से निपटने में खुद को समर्थ पाता था। बहरहाल अब्राहम समझौते के कारण इस्लामिक देशों को इजरायल के साथ मिलकर व्यापार करने का एक बहाना मिला हुआ था। किन्तु जिस तरह इजरायल अब बिना किसी हिचक के इस्लामिक देशों में बम बरसा रहा है, उसी से इस्लामिक देशों को अब इजरायल से दूरी बनाने का बहाना मिल गया है। यही नहीं अब नाटो की तर्ज पर ये सभी इस्लामिक देश अपनी फौजी संगठन बनाने पर गंभीरता से विचार कर रहे हैं। इजरायल यह समझ पाने में असमर्थ रहा कि अब्राहम समझौते से हूती, हिजबुल्ला और हमास तीनों परेशान थे। उन्हें यह अच्छा नहीं लग रहा था अब्राहम समझौते को आधार मानकर इस्लामिक देश इजरायल के साथ व्यावसायिक संबंध स्थापित करें।

केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में दिल्ली में संपन्न हुआ 'राष्ट्रीय कृषि सम्मेलन-रबी अभियान -2025'

दो दिवसीय सम्मेलन में राज्यों के कृषि मंत्रीगण और वरिष्ठ अधिकारी हुए शामिल, विभिन्न सत्रों में किया गहन विचार-विमर्श

नकली-घटिया खाद-बीज, कीटनाशक किसी भी कीमत पर बिकने नहीं देंगे, बेचने पर होगी सख्त कार्रवाई- श्री शिवराज सिंह चौहान

किसान कॉल सेंटर को प्रभावी बनाने की कोशिश - श्री शिवराज सिंह

किसानों की शिकायतों के समाधान के साथ ही किसानों को पूरा न्याय दिलाएंगे - श्री शिवराज सिंह

(जीएनएस)।

दो दिवसीय 'राष्ट्रीय कृषि सम्मेलन-रबी अभियान -2025' केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में दिल्ली में संपन्न हुआ। इसमें राज्यों के कृषि मंत्रीगण और वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए, जिन्होंने विभिन्न सत्रों में कृषि के विकास के लिए गहन विचार-विमर्श किया। इसके समापन सत्र में शिवराज सिंह ने कहा कि नकली या घटिया खाद-बीज, कीटनाशक किसी भी कीमत पर बिकने नहीं देंगे, इन्हें बेचने वालों के खिलाफ कड़ा कानून बनाने की तैयारी की गई है। श्री शिवराज सिंह ने कहा कि किसानों को इस संबंध में परेशानी से बचाना हमारा दायित्व है, इसके लिए सभी राज्यों का सहयोग आवश्यक है।

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि किसान कॉल सेंटर को प्रभावी बनाने की कोशिश की जा रही है, राज्य स्तर भी इसके लिए असरकारी तंत्र होना चाहिए। श्री शिवराज सिंह ने जोर देकर कहा कि किसानों की शिकायतों के समाधान के साथ ही किसानों को पूरा न्याय दिलाएंगे, हमारे लिए हमारे किसान सर्वोपरि हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का लाभ अधिकाधिक किसानों को दिलाने के लिए प्रयास करने का अनुरोध भी सभी राज्यों से किया।

श्री शिवराज सिंह ने कहा कि किसानों के हित में देशभर के कृषि

विज्ञान केंद्रों (केवीके) और राज्यों के कृषि प्रसार के अमले को सुदृढ़ करने की जरूरत है, ये खेती-किसानी को उन्नत करने के लिए अहम माध्यम है।

केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह ने 3 अक्टूबर से शुरू किए जाने वाले विकसित कृषि संकल्प अभियान को सफल बनाने के लिए सभी राज्यों और कृषि मंत्रियों से विशेष आग्रह करते हुए कहा कि 'लैब टू लैंड' की संकल्पना को साकार करने के लिए यह अभियान अत्यंत महत्वपूर्ण है।

श्री शिवराज सिंह ने कहा कि इस सम्मेलन में दो दिन तक बहुत गंभीरता से मंथन किया गया है, जिसके लिए सभी राज्यों के कृषि मंत्रीगण और सारे अधिकारी बधाई के पात्र है। उन्होंने कहा कि इससे निश्चित रूप से रबी फसलों के सीजन में बहुत अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे।

उन्होंने, प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी को किसानों का हित सुनिश्चित करने के सभी की ओर से धन्यवाद दिया, साथ ही ऐतिहासिक ऋूळ सुधारों को गांव-गांव तक पहुंचाने और इसका लाभ दिलाना सुनिश्चित करने के लिए जुटने का आह्वान भी किया। साथ ही, श्री शिवराज सिंह ने सभी से प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की अपील पर स्वदेशी अपनाने का अनुरोध भी किया।

इस अवसर पर केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्यमंत्री श्री भागीरथ चौधरी, श्री एन. चालुवर्यस्वामी, कृषि मंत्री, कर्नाटक, श्री सूर्य प्रताप शाही, कृषि मंत्री, उत्तर प्रदेश, श्री बलदेव सिंह औलख, कृषि राज्य मंत्री, उत्तर प्रदेश, श्री दिनेश प्रताप सिंह, उद्यान राज्य मंत्री, (स्वतंत्रप्रभार) उत्तर प्रदेश, श्री गेब्रियल डेनवांग वांगसू, कृषि मंत्री, अरुणाचल प्रदेश, श्री राम विचार नेताम, कृषि मंत्री, छत्तीसगढ़, श्री गुरमीत सिंह खु ड्डियाँ, कृषि मंत्री, पंजाब, डॉ. किरोड़ी लाल मीणा, कृषि मंत्री, राजस्थान, श्री पी.सी वनलालरुआता, कृषि मंत्री, मिजोरम, श्री श्याम सिंह राणा, कृषि मंत्री, हरियाणा, श्री चन्द्र कुमार, कृषि मंत्री, हिमाचल प्रदेश, श्री तुम्मला नागेश्वर राव, कृषि मंत्री, तेलंगाना, श्री राघवजीभाई पटेल, कृषि मंत्री, गुजरात, श्री पूरन कुमार गुरुंग, कृषि मंत्री, सिक्किम, श्री विजय कुमार सिन्हा, कृषि मंत्री, बिहार, श्री एदल सिंह कंषाना, कृषि मंत्री, मध्य प्रदेश, सुश्री साल्होतुओनुओ क्रूस, बागवानी मंत्री, नागालैंड सहित कृषि सचिव श्री देवेश चतुवेर्दी, उर्वरक विभाग सचिव श्री रजत कुमार मिश्रा एवं भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के महानिदेशक डॉ. एम. एल. जाट उपस्थित थे।

नवरात्रों के दौरान सौन्दर्य टिप्स : शहनाज हुसैन

देश में त्योहारों का सीजन शुरू होने ही बाला है नवरात्रों से पाबन त्योहारों की शुरूआत मानी जाती है और नवरात्रे कुछ ही दिन बाद शुरू होने बाले हैं

नवरात्रो के बाद दशहरा, धनतेरस, दिवाली, करबा चौथ ,भाई दूज, छठ पूजा, सहित अनेक त्यौहार मनाये जायेंगे नवरात्रों के दौरान महिलाओं को डांडिया , गरबा डांस ,दुर्गा पूजा पंडालों सहित अनेक सामाजिक धार्मिक कार्यक्रमों में महिलाओं को परिवार सहित शिरकत करनी पड़ती है जहां काफी संख्या में जान पहचान के लोग रिश्तेदार इकठा होते हैं और इन पवित्र मौकों पर महिलायें भक्ति मय ,मस्ती ,जोश , उमंग से परिपूर्ण अपने सबसे सुन्दर और आकर्षक ब्यक्तित्व में दिखना चाहेंगी तो जाहिर है की इन त्योहारों की धूम के बीच महिलाएं सबसे खूबसूरत दिखना पसन्द करती हैं

नबरात्रों में मौसम तेजी से करबट लेता है और इस मौसम में ठण्ड तेजी से बढ़ना शुरू हो जाती है। ऐसे में बाताबरण में तापमान गिरने से नमी में कमी आ जाती है और त्वचा से जुडी अनेक सौन्दर्य समस्याएं खड़ी हो जाती हैं नवरात्रों में ज्यादातर महिलाएं ब्रत रखती हैं तथा अपनी ब्यस्तताओं की बजह से सही समय पर उचित फलाहार आदि नहीं ले पाती जिससे उनके स्वास्थ्य पर असर पड़ता है और चेहरा बुझा बुझा सा दिखने लगता है

लेकिन अगर आप अपनी सभी ब्यस्तताओं को निभाते हुए भी अपनी आभा और आकर्षण बरकरार रखना चाहती हैं तो आपको कुछ घरेलू उपाय करने होंगे

हमेशा यह ध्यान रखें की अगर आपका उत्सव खुले में आयोजित किया जा रहा है तो तो मात्र बेसिक तक ही सीमित रहें तथा हलके मेक अप पर भरोसा करें क्योंकि ज्यादा मेक अप गर्मी उमस या मौसम की मार से पिघल कर फैल जाएगा और आपका मूड खराब हो सकता है तथा आप उत्सव का पूरा आनन्द नहीं उठा पाएंगी उत्सव खुले में शिरकत करने जाती बार आप प्राइमर , फाउंडेशन या कन्सीलर ,आई मेक अप तथा सामान्य लिपस्टिक तक सीमित रखिये जिससे आप का मेक अप खराब न हो तथा आप उत्सव का भरपूर आनन्द उठा सकें

नवरात्रा के पाबन त्यौहार में अगर आप किसी पार्टी उस्तव या गरबा डांस में जा रही हैं तो केबल वाटर प्रूफ मेक अप पर केन्द्रित रहें बाताबरण में गर्मी तथा डांस से शरीर के तापमान में बढ़ोतरी से आप का मेक अप खराब हो सकता है तथा वाटर प्रूफ मेक अप से आई लाइनर ,लिपस्टिक ,फॉउंडेशन बनी रहेगी तथा आप उत्सव का आनन्द उठा सकेंगी

अगर आप परम्परागत स्कर्ट के साथ बैकलेस ब्लाउजचोली पहन कर किसी उत्सव , गरबा या डांडिया में जा रही हैं तो अपनी पीठ पर वैक्स या पोलिश करवाना कभी मत भूलियेगा लेकिन पीठ पर वैक्स या पोलिश उत्सव से कुछ दिन पहले करबा लीजिये ताकि अगर किसी किस्म के फोड़े , फुन्सी आदि की समस्या आये तो उसका समय रहते उपचार कर लिया जाये

आप उत्सव , गरबा या

डांडिया में नाचने जा रही हैं या महज दर्शक बन कर उठाना चाहती हैं लेकिन दोनों ही मामलों में हलकी फाउंडेशन का उपयोग करें क्योंकि आपको पसीना आते ही भारी फाउंडेशन पिघलनी शुरू हो जाएगी और आपका मजा किरकिरा हो जायेगा

यदि आप हर रात्रि गरबा डांस एन्जॉय करना चाहती हैं तो आप को अपनी आँखों पर बिशेष ध्यान देने की जरूरत है ताकि आपकी आँखों में सूजन पफीनेस न आ जाये आँखों की सुन्दरता के लिए प्रीतिदिन आठदस घण्टे की नीन्द जरूर सुनिश्चित करें

अपने चेहरे या त्वचा पर मेक अप लगाने से पहले कुछ साबधानियाँ बरतेंगे तो आप का मेक अप आपकी त्वचा के अनुरूप आपके सौन्दर्य को निखारने में अहम भूमिका अदा करेगा जिससे आप सभी नौ नवरात्रों में खिली खिली नजर आएँगी त्वचा की टोनिंग क्लींजिंग प्रक्रिया का महत्वपूर्ण हिस्सा है अच्छी टोनिंग से त्वचा पर जमे तैलीय पदार्थ , गन्दगी ,अबशेष आदि को हटाने में मदद मिलती है जिससे त्वचा को कोमल , पौषित , नमीयुक्त रखा जा सकता है तथा त्वचा का पी एच सन्तुलन बरकरार रहता है

अपने चेहरे की सुन्दरता के साथ ही अपने हाथ के नाखूनों और पाँवों पर जरूर ध्यान दीजिये नवरात्र शुरू होने से पहले मैनीक्योर व पेडीक्योर जरूर करवा लें अगर किसी बजह से आप सैलून जाने से कतरा रही हैं तो घर बैठे ही निम्बू जूस और चीनी के मिश्रण से अपने हाथों , पाँवों और टांगों की रगड़ कर मालिश कर लीजिये

त्योहारों की दौड़ धूप के बीच पर्याप्त पानी ,जूस या सूप लेना जरूर याद रखें क्योंकि गहमा गहमी के बीच आप के शरीर में नमी में कमी आ सकती है जिससे आपकी त्वचा शुष्क हो सकती है और आप थकी थकी से दिखने लगेंगी डांडिया डांस में त्वचा की चमक बरकरार रखने में पर्याप्त तरल पदार्थ लिक्विड बहुत जरूरी होता है नारियल पानी ,निम्बू पानी , ताजा पानी , ताजा जूस आपको तारो ताजा रखेगा जिससे आपको थकबाट महसूस नहीं होगी और आप की त्वचा प्रकृतिक तौर पर खिली रहेगी आप अपने साथ कंसन्ट्रेटे निम्बू जूस , चीनी , काला नमक और काली मिर्च पाउडर रखिये तथा ब्रेक के दौरान इसमें अपने स्वाद के अनूरूप पानी मिलाकर चुस्की लगा कर आहिस्ता आहिस्ता पी लीजिये इससे आप के शरीर में नियमित ऊर्जा का संचार होगा तथा आपका स्वास्थ्य और आपकी मूड दोनों ही जोश उत्साह से परिपूर्ण रहेंगे

पाँवो आपके जीवन का आधार होते हैं गरबा में आप दिल खोल कर जब नाचेंगी तो इसमें आपके पाँवों की सेहत और मजबूती दोनों ही बहुत जरूरी होती हैं अगर आप को सभी नौ दिन डांस करना है या समाजिक , धार्मिक उत्स्बों में सक्रिय हिस्सेदारी करनी है तो आप प्रतिदिन पाँवों पर जरूर ध्यान दीजिए अन्यथा कहीं आपके पाँवों ही जबाब न दे जाएँ

पांवों में थकाबट की बजह से होने बाली दर्द को कम करने और पाँवों को तरो ताजा रखने के लिए रोजाना सोने से पहले पांवों की मालिश बहुत जरुरी है

आधे टब गर्म पानी मे आधा कप बेकिंग सोडा , थोड़ा सा सैंधा नमक , एक कप एप्पल साइडर तथा कुछ बूंदें लैवेंडर तेल डाल कर अपने पाँवों को इस मिश्रण में कुछ देर तक टब में रहने दीजिये तथा उसके बाद पाँवों को साफ कॉटन से साफ कर लीजिये इससे आपके पाँव तरो ताजा ,मुलायम और सुद्दह रहेंगे

इस त्यौहार में दौरान अपनी प्राकृतिक आभा एवं सौंदर्य बनाए रखने के लिए सबसे पहले अपनी त्वचा को साफ करें तथा उस पर तरल मॉइस्चराइजर लगा लीजिए। तैलीय त्वचा के लिए कॉटनवूल की मदद में चेहरे पर अस्ट्रिजन्ट लोशन लगा लीजिए तथा कुछ मिनट तक इंतजार करने के बाद चेहरे के दाग धब्बों को फांउडेशन लगाने से पहले संगोपक से ढक लीजिए या धब्बों पर हल्के रंग का फाऊंडेशन लगाए तथा उसके बाद पूरे चेहरे पर सामान्य फाऊंडेशन का उपयोग करें। यदि आप कोई मुहांसा या काला धब्बा कवर करना चाहते है तो उसे फांउडेशन के उपयोग से पहले ढक लें।

चेहरे पर फाउंडेशन लगा कर इसे गीले स्पंज से या ऊंगलियों की मदद से चेहरे तथा गर्दन पर पूरी तरह मिला लें। फाऊंडेशन को स्थिर करने के लिए खुला पाऊडर उपयोग में लाएं फाउंडेशन को मटमैले टोन से उपयोग करें न कि गुलाबी टोन से। मेरी राय में भारतीय त्वचा पर मटमैला रंग काफी जंचता है। यदि आपकी त्वचा अत्यध्कि गोरी है तो गुलाबी रंगत वाली मटमैली टोन का उपयोग करें। यदि आपकी त्वचा निखरी है लेकिन इसमें पीलापन है तो उस दशा में गुलाबी रंगत वाली टोन का उपयोग न करें बल्कि बिस्कुट रंगत को टोन का उपयोग करें। सांवले रंग में भूरे रंग की टोन उपयुक्त है। मेरे विचार में ज्यादातर भारतीय त्वचा के रंग पीले की अपेक्षा मटमैले तथा बिस्किट फाउंडेशन में ज्यादा आकर्षक दिखते है।

नवरात्रों में पावन त्यौहारों में आप गोल्ड फाउंडेशन का उपयोग भी कर सकती है। इसे चेहरे पर लगाईए तथा गीले स्पंज से पूरे चेहरे पर धूमा दीजिए ताकि त्वचा को सुनहरी रंगत दी जा सके। जब भी आप मेकअप करे तो उसे जरूरत से ज्यादा न लीपें तथा न ही जयादा रंगड़े। फाउंडेशन या ब्लशर में उसे स्पर्श से उंगलियों के उपयोग से लगाना ही बेहतर होता है। इसे गीले स्पंज से भी हल्के तरीके से पूरे चेहरे पर लगाया जा सकता है।

गालों पर हल्के बल्शर का प्रयोग किया जाना चाहिए तथा पाऊडर ब्लशर का उपयोग आसानी से किया जा सकता है तथा उसे पाऊडर लगाने के बाद प्रयोग करें। इसे गालों पर लगाने के बाद ऊपरी तथा नीचली तरफ सहजता धीरे-धीरे लगाऐ।

उसके बाद गालों पर हल्के रंग हाईलाइटर का प्रयोग करें तथा इसे पूरी तरह त्वचा पर मिला लें।

रात्रि में ब्लशर के रंगों का होंठों के रंगों के अनूकूल होना जरूरी नहीं है यदि आपने नारंगी लिपस्टिक लगाई है तो नारंगी व्लशर का प्रयोग न करें। निखरी त्वचा के लिए गुलाबी तथा लाल ब्लशर का प्रयोग करें। यदि आपकी त्वचा में पीलापन है तो नारंगी ब्लशर के उपयोग से परहेज करें । गेहूएं रेग की त्वचा के लिए गुलाबी, मुंगिया, कांस्य रंग अत्याधिक लाभदायक हो सकते है तथा सांवले रंग के लिए आलू बुखारा, गहरा लाल रंग तथा कांस्य रंग सबसे ज्यादा उपयुक्त साबित होगा।

रात को सोने से पहले अपना मेक अप ज्वेलरी उतारना न भूलें ज्वेलरी पर दिन भर की जमा धूल मिट्टी को हटाने के लिए ज्वेलरी को धो कर साफ कपड़े से पौंछ दें ताकि किसी एलर्जी से बचा जा सके मेक अप को बेबी आयल की मदद से आहिस्ता से हटाएँ तथा प्रभाबित त्वचा पर आइस मलें त्वचा पर वर्जिन नारियल तेल की मालिश बहुत लाभदायक होगी

लेखिका अर्न्तराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त सौन्दर्य विशेषज्ञ है तथा हर्बल क्वीन के रूप में लोकप्रिय है।

ट्रंप की पीएम मोदी से बातचीत से भारत-अमेरिका संबंधों में सुधार की उम्मीद जगी

(जीएनएस)।

मंगलवार को, त्रवरत्र के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से संपर्क किया, मोदी के 75वें जन्मदिन से पहले उन्हें जन्मदिन की बधाई दी। इस इशारे से दोनों देशों के बीच तनावपूर्ण द्विपक्षीय संबंधों में संभावित पुनसंयीजन की उम्मीद जगी है। तनाव तब पैदा हुआ जब त्रवरत्र ने भारतीय वस्तुओं पर टैरिफ को दोगुना कर 50 प्रतिशत कर दिया। मोदी ने ट्रम्प की भावनाओं को व्यक्त करते हुए, भारत- त्रवरत्र साझेदारी को बढ़ाने की अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

ट्रम्प और मोदी ने द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा की

सोशल मीडिया पोस्ट में, मोदी ने यूक्रेन संघर्ष को शांतिपूर्ण ढंग से सुलझाने की दिशा में ट्रम्प की पहल का समर्थन व्यक्त किया। ट्रम्प ने मोदी के प्रयासों को स्वीकार करते हुए, यूक्रेन में युद्ध समाप्त करने में उनके समर्थन के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। यह कॉल नई दिल्ली में भारत और त्रवरत्र के बीच प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते के संबंध में बातचीत के एक नए दौर के साथ हुई।

मोदी ने ट्विटर, जिसे पहले ट्विटर के नाम से जाना जाता था, पर ट्रम्प को उनकी हार्दिक जन्मदिन की शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद दिया और भारत- त्रवरत्र व्यापक और वैश्विक साझेदारी को मजबूत करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। ट्रम्प की कॉल मोदी के जन्मदिन से ठीक एक दिन पहले आई, जो त्रवरत्र द्वारा भारतीय वस्तुओं पर बढ़े हुए टैरिफ लगाने के बाद उनकी पहली सीधी बातचीत थी।

डोनाल्ड ट्रम्प के भारतीय वस्तुओं पर टैरिफ को दोगुना करने के फैसले के बाद, जिसमें भारत द्वारा रूसी कच्चे तेल की खरीद से संबंधित अतिरिक्त 25 प्रतिशत शुल्क भी शामिल है, नई दिल्ली और वाशिंगटन के बीच संबंध काफी तनावपूर्ण रहे हैं। भारत ने इन कार्यों को अनुचित और अनुचित बताया है।

हाल के हफ्तों में, व्हाइट हाउस व्यापार सलाहकार पीटर नवारो सहित ट्रम्प प्रशासन के कई अधिकारियों ने भारत के खिलाफ, विशेष रूप से रूस

के साथ उसके ऊर्जा संबंधों के बारे में, सख्त भाषा का इस्तेमाल किया है। भारत ने रियायती रूसी तेल की अपनी खरीद का बचाव करते हुए, राष्ट्रीय हित और बाजार की गतिशीलता को इसके प्रेरक कारकों के रूप में उद्धृत किया है।

दिन में पहले, भारत और त्रवरत्र ने व्यापार पर एक नए दौर की चर्चा की। भारत में त्रवरत्र दूतावास के एक प्रवक्ता ने कहा कि दोनों पक्षों ने अपनी द्विपक्षीय व्यापार वाताओं के अगले कदमों पर विचार-विमर्श किया। सहायक त्रवरत्र व्यापार प्रतिनिधि ब्रेंडन लिंच ने 16 सितंबर को वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के विशेष सचिव राजेश अग्रवाल के साथ रचनात्मक बातचीत की।

व्यापार वार्ता फिर से शुरू करने का निर्णय, ट्रम्प की भारत और त्रवरत्र के बीच व्यापार बाधाओं को दूर करने के बारे में हालिया टिप्पणियों पर मोदी की सकारात्मक प्रतिक्रिया के बाद आया था। ट्रम्प ने जल्द ही मोदी से बात करने और व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने की दिशा में प्रगति की उम्मीद जतायी।

मोदी ने जोर देकर कहा कि भारत और त्रवरत्र स्वाभाविक भागीदार हैं, दोनों पक्षों की टीमें व्यापार समझौते पर बातचीत को समाप्त करने के लिए लगन से काम कर रही हैं। पिछले कुछ महीनों में कई दौर की बातचीत के बावजूद, कृषि और डेयरी जैसे क्षेत्रों में तीखे मतभेदों के कारण एक समझौते को अंतिम रूप नहीं दिया जा सका है।

सोशल मीडिया पर मोदी और ट्रम्प के बीच का आदान-प्रदान दोनों देशों द्वारा अपने संबंधों को सुधारने के व्यापक प्रयासों का एक हिस्सा माना जाता है। राजनयिक संचार जारी रहने के साथ, दोनों देश रचनात्मक संवाद और सहयोग के माध्यम से चुनौतियों पर काबू पाने और अपनी साझेदारी को मजबूत करने का लक्ष्य रखते हैं।

क्षतिग्रस्त सिग्नल केबल सभी क्षेत्रों में रेलवे सुरक्षा और संचालन के लिए गंभीर खतरा पैदा करते हैं

(जीएनएस)।

भारतीय रेल ने अपने सभी जोनों को एक चेतावनी जारी की है, जिसमें बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के दौरान बढ़ी हुई सतर्कता बरतने पर जोर दिया गया है। रेलवे बोर्ड ने रेखांकित किया कि सिग्नल और दूरसंचार केबलों को नुकसान पहुंचाने से महत्वपूर्ण सुरक्षा खतरे पैदा होते हैं और इससे ट्रेन संचालन बाधित हो सकता है, जिसके संभावित रूप से गंभीर परिणाम हो सकते हैं।

सिग्नल केबल क्षति से रेलवे सुरक्षा को खतरा

हाल ही में एक संचार में, रेलवे बोर्ड ने सभी जोनों को संबोधित करते हुए चल रही विस्तृत बुनियादी ढांचा, सुरक्षा और विश्वसनीयता वृद्धि परियोजनाओं का उल्लेख किया। इनमें ट्रैक का दोहरीकरण, यार्ड का पुनर्गठन, बाउंड्री वॉल का निर्माण और लिमिटेड हाइट सबवे (छ्लर), ऑटोमैटिक ब्लॉक सिग्नलिंग (अइर) और कवच जैसी प्रणालियों को लागू करना शामिल है। हालाँकि, इन गतिविधियों के दौरान केबल क्षति की बार-बार घटनाएं दर्ज की गई हैं, जिससे सिग्नल फेल्योर और परिचालन व्यवधान हो रहे हैं।

सुरक्षा चिंताएं और निर्देश

बोर्ड ने इस बात पर जोर दिया कि केबल क्षति के कारण बार-बार सिग्नल फेल्योर होना ट्रेन सेवाओं की सुरक्षा और विश्वसनीयता के लिए खतरा है। रेलवे ट्रैक के साथ सिग्नल और दूरसंचार केबलों की सुरक्षा के लिए सुरक्षा निर्देश जारी करने के बावजूद, केबल कटने की रिपोर्ट आना जारी है। बोर्ड ने कई निवारक उपायों की सिफारिश की है, जिसमें खुदाई से पहले उपयोगिता को स्थानांतरित करना, विभागों के बीच उचित समन्वय और सभी जोनों को परिचालित एकीकृत केबल रूट प्लान का पालन करना शामिल है।

पिछला संचार और वर्तमान चुनौतियाँ

2023 में, रेलवे बोर्ड ने बुनियादी ढांचे के काम के लिए एहतियाती उपायों को रेखांकित करते हुए सभी जोनों को कई लिखित संचार जारी किए। हालाँकि, अधिकारियों ने इन निदेर्शों का लगातार पालन नहीं किया है, जिसके परिणामस्वरूप सिग्नल केबल क्षति के कई मामले सामने आए हैं। कवच ऑटोमैटिक ट्रेन प्रोटेक्शन सिस्टम और आधुनिक सिग्नलिंग सिस्टम की स्थापना जैसी चल रही परियोजनाओं के साथ, अधिकारियों को सावधानी बरतनी चाहिए।

सुरक्षा प्राथमिकताओं पर आधिकारिक बयान

एक अधिकारी ने नियमित ट्रेन संचालन के साथ-साथ बुनियादी ढांचे का काम करने की चुनौती को स्वीकार किया, लेकिन इस बात पर जोर दिया कि सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता बनी रहनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पर्याप्त निर्देश और सुरक्षा उपाय मौजूद हैं और उन शॉर्टकट से बचने की चेतावनी दी जो गंभीर परिणाम ला सकते हैं।

RNI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR

वड़ोदरा मंडल द्वारा गोधरा यार्ड में एनडीआरएफ संग संयुक्त मॉक अभ्यास का सफल आयोजन

वड़ोदरा रेल मंडल द्वारा सुरक्षा मानकों का आकलन एवं आपदा प्रबंधन की तैयारियों की जाँच हेतु आज गोधरा यार्ड की लाइन नं. 2 पर एनडीआरएफ के सहयोग से मॉक ड्रिल आयोजित की गई।

सुबह 11:12 बजे गोधरा स्टेशन प्रबंधक द्वारा कंट्रोल रूम को सूचना दी गई कि शंटिंग के दौरान दो कोच लाइन नं. 2 पर डिरेल हो गए हैं। सूचना मिलते ही वड़ोदरा से एक्सीडेंट रिलीफ मेडिकल इक्विपमेंट एवं एक्सीडेंट रिलीफ ट्रेन गोधरा के लिए रवाना की गई। तत्पश्चात रेलवे अथॉरिटी, सिविल अथॉरिटी, ठ३ﬀ रऊﬀ फायर ब्रिगेड, स्थानीय पुलिस, फ्ढ्ॠ सिविल डिफेंस एवं स्थानीय अस्पतालों को अलर्ट किया गया।

घटनास्थल पर घायलों के उपचार हेतु टेंट स्थापित किए गए, यूनिफाइड कमांड सेंटर बनाया गया तथा गोधरा स्टेशन व साइट पर हेल्पलाइन बूथ स्थापित किए गए। रेलवे एवं ठ३ﬀ की टीमों ने संयुक्त रूप से राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। इस दौरान एटफ्ﬀ-108 की दो एंबुलेंस भी तैनात थीं।

संयुक्त प्रयासों से 13 काल्पनिक पीड़ितों (11 घायल एवं 2 मृत) को कोच की खिड़की व छत काटकर सुरक्षित बाहर निकाला गया। प्राथमिक उपचार के बाद घायलों एवं मृतकों को सिविल अस्पताल भेजा गया।

मॉक ड्रिल की निगरानी वड़ोदरा मंडल रेल प्रबंधक श्री राजू भडके, वरिष्ठ मंडल संरक्षा अधिकारी श्री शरद गौतम एवं ठ३ﬀ के डिप्टी कमांडेंट श्री संजय ने की। दोपहर 14:30 बजे वड़ोदरा मंडल रेल प्रबंधक श्री राजू भडके ने बताया कि यह केवल एक अभ्यास था, जिसका मुख्य उद्देश्य आपदा के समय रेलवे एवं आपदा प्रबंधन से जुड़े सभी एजेंसियों की तत्परता व क्षमता का आकलन करना था। उन्होंने सफलतापूर्वक मॉक ड्रिल संपन्न कराने के लिए सभी प्रतिभागियों को बधाई दी।

इस संयुक्त अभ्यास में रेलवे के ऑपरेटिंग, सेफ्टी, इलेक्ट्रिकल, इंजीनियरिंग, सिग्नल एवं टेलिकॉम, मैकेनिकल, सिक्योरिटी, कमर्शियल, मेडिकल विभागों के वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी, साथ ही ठ३ﬀ पुलिस, मेडिकल व सिविल प्रशासन के अधिकारी एवं स्टाफ शामिल रहे।

संक्षिप्त समाचार

साबरमती-जोधपुर एक्सप्रेस आंशिक निरस्त रहेगी

पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल पर महेसाणा-पालनपुर सेक्शन में धारेवाड़ा-छापी स्टेशनों के बीच इंजीनियरिंग कार्य हेतु ब्लॉक के चलते साबरमती-जोधपुर-साबरमती एक्सप्रेस आंशिक निरस्त रहेगी। जिसका विवरण इस प्रकार है:-

- 18 सितंबर 2025 की ट्रेन संख्या 14822 साबरमती-जोधपुर एक्सप्रेस साबरमती और आबूरोड के बीच आंशिक निरस्त रहेगी।
- 17 सितंबर 2025 की ट्रेन संख्या 14821 जोधपुर-साबरमती एक्सप्रेस आबूरोड और साबरमती के बीच आंशिक निरस्त रहेगी।

ट्रेनों के ठहराव, मार्ग और संरचना के संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www. enquiry. indianrail. gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

भावनगर टर्मिनस रेलवे स्टेशन पर दिव्यांगजनों और वरिष्ठ नागरिकों के लिए 2 अतिरिक्त व्हिल चेयर की सुविधा

दिव्यांगजनों और वरिष्ठ नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए पश्चिम रेलवे, भावनगर मंडल के भावनगर टर्मिनस रेलवे स्टेशन पर 2 अतिरिक्त व्हिल चेयर की व्यवस्था की गई है।

वंदे मातरम सेवा संघ की प्रेरणा से श्रीमती कुसुमबेन खांतिलाल शाह (हारीज वाला) हस्ते श्रीमती चंपाबेन दिपकभाई शाह परिवार और श्रीमती मुक्ताबेन जयंतिलाल शेठ (पालिताना वाला) हस्ते श्रीमती अलकाबेन सुबोधभाई सेठ की ओर से यह दोनों व्हिल चेयर भावनगर टर्मिनस स्टेशन पर दिनांक 16.09.2025 (मंगलवार) को उपलब्ध कराई गई।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, भावनगर डिविजन श्री अतुल कुमार त्रिपाठी ने बताया कि दिव्यांगजनों और वरिष्ठ नागरिकों की सुविधा के लिए भावनगर टर्मिनस स्टेशन पर दो व्हिल चेयर पहले से मौजूद है तथा दो अतिरिक्त व्हिल चेयर प्राप्त हो जाने से अब इनकी संख्या बढ़कर 4 हो गई है।

इस अवसर पर वंदे मातरम सेवा संघ की ओर से श्री किशोरभाई भट्ट, श्री के. डी. शाह, श्री हरदेवसिंह गोहिल, श्री हितेशभाई पारेख, श्री कौशिकभाई अजवालिया, श्री वजुभाई वाला एवं श्री अनिल सिंह (बनारस वाले) उपस्थित थे। रेलवे प्रशासन की ओर से मंडल वाणिज्य निरीक्षक, स्टेशन अधीक्षक, टिकट चेकिंग स्टॉफ सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

भावनगर टर्मिनस स्टेशन पर यह सुविधा उपलब्ध कराने हेतु मंडल रेल प्रबंधक श्री दिनेश वर्मा एवं वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अतुल कुमार त्रिपाठी ने वंदे मातरम संघ एवं दानदाताओं का हार्दिक आभार व्यक्त किया।

वर्ष 2025-26 के लिए राष्ट्रीय साधन सह योग्यता छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल पर 30 सितंबर, 2025 तक बढ़ाई गई

(जीएनएस)।

वर्ष 2025-26 के लिए राष्ट्रीय साधन सह योग्यता छात्रवृत्ति योजना (एनएमएमएसएस) के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल (एनएसपी) पर चयनित मेधावी छात्रों द्वारा आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 30 सितंबर, 2025 तक बढ़ा दी गई है।

एनएसपी पोर्टल 2 जून 2025 से छात्रों द्वारा आवेदन जमा करने के लिए खुला है। इस परियोजना वर्ष 2025-26 में, चयनित छात्रों को पहले एनएसपी पर एकमुश्त पंजीकरण (ओटीआर) करना होगा, जिसके बाद उन्हें अपने द्वारा चुनी गई छात्रवृत्ति योजना के लिए आवेदन करना होगा। एनएसपी पर पंजीकरण के लिए अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्नों का विवरण https:// scholarships. gov.in/studentFAQs पर देखा जा सकता है।

शिक्षा मंत्रालय के स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग द्वारा क्रियान्वित 'राष्ट्रीय साधन-सह-योग्यता छात्रवृत्ति योजना' के माध्यम से आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के मेधावी विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है, ताकि प्राथमिक स्तर अर्थात कक्षा आठ के बाद उनकी पढ़ाई बीच में ही छूटने की प्रवृत्ति को रोका जा सके तथा उन्हें उच्चतर माध्यमिक स्तर अर्थात कक्षा बारह तक अपनी स्कूली शिक्षा पूरी करने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके।

यह योजना राज्य/केंद्र शासित प्रदेश सरकारों द्वारा आयोजित छात्रवृत्ति के लिए योग्यता परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले कक्षा 9 के छात्रों को हर साल एक लाख नई छात्रवृत्तियाँ प्रदान करती है। छात्र के शैक्षणिक प्रदर्शन के आधार पर कक्षा 10 से 12 तक नवीनीकरण के माध्यम से छात्रवृत्ति जारी रहती है। यह योजना केवल राज्य सरकार, सरकारी सहायता प्राप्त और स्थानीय निकाय के स्कूलों में पढ़ने वाले छात्रों के लिए लागू है और छात्रवृत्ति राशि प्रति छात्र 12000 रुपये प्रति वर्ष है।

एनएमएमएसएस का क्रियान्वयन राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल (एनएसपी) के माध्यम से किया जाता है - जो भारत सरकार द्वारा छात्रों को प्रदान की जाने वाली छात्रवृत्ति योजनाओं के लिए वन-स्टॉप प्लेटफॉर्म है। 30.08.2025 तक, आवेदकों द्वारा 85,420 नए और 1,72,027 नवीनीकरण आवेदन अंतिम रूप से जमा किए जा चुके हैं।

एनएमएमएसएस छात्रवृत्तियां डीबीटी मोड के बाद सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन प्रणाली (पीएफएमएस) के माध्यम से इलेक्ट्रॉनिक हस्तांतरण द्वारा सीधे चयनित छात्रों के बैंक खातों में वितरित की जाती हैं। छात्रवृत्ति प्राप्त करने के लिए पात्रता मानदंडों में माता-पिता की आय 3.50 लाख रुपये प्रति वर्ष से अधिक नहीं होना, छात्रवृत्ति के लिए चयन परीक्षा में शामिल होने के लिए कक्षा श्क्क की परीक्षा में न्यूनतम 55% अंक या समकक्ष ग्रेड (एससी/एसटी छात्रों के लिए 5% की छूट) शामिल हैं।

एनएसपी पोर्टल पर चयनित विद्यार्थियों के छात्रवृत्ति आवेदन के सत्यापन के दो स्तर हैं, स्तर-1 (एल1) सत्यापन संस्थान नोडल अधिकारी (आईएनओ) के पास होता है तथा स्तर-2 (एल2) सत्यापन जिला नोडल अधिकारी (डीएनओ) के पास होता है। आईएनओ स्तर (एल1) सत्यापन की अंतिम तिथि 15.10.2025 है और डीएनओ स्तर (एल2) सत्यापन की अंतिम तिथि 31.10.2025 है।

केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री श्री जी. किशन रेड्डी ने कोल इंडिया के कर्मचारियों के लिए नई वर्दी, कॉर्पोरेट वेतन पैकेज और अनुग्रह राशि में बढ़ोतरी का शुभारंभ किया

(जीएनएस)।

केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री श्री जी. किशन रेड्डी ने कोल इंडिया के कर्मचारियों के लिए नई वर्दी, कॉर्पोरेट वेतन पैकेज (सीएसपी) और अनुग्रह राशि में वृद्धि का शुभारंभ किया।

ये उपाय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के "श्रमिक प्रथम" और "श्रमिक कल्याण" की सोच के अनुरूप हैं।

कोल इंडिया की "वी केयर" पहल के तहत खदान दुर्घटना में मृत्यु पर अनुग्रह राशि 15 लाख से बढ़ाकर 25 लाख रुपये कर दी गई है।

"सुरक्षा हर कर्मचारी की - सुरक्षा में एकजुट, भविष्य के लिए सशक्त" टैगलाइन के तहत कॉर्पोरेट वेतन पैकेज (सीएसपी) का शुभारंभ किया गया, जिससे वित्तीय सुरक्षा मजबूत हुई।

सीएसपी के तहत बीमा कवरेज नियमित कर्मचारियों के लिए 1 करोड़ रुपये और संविदा कर्मचारियों के लिए 40 लाख रुपये प्रदान किया जाता है, जिसमें 2.15 लाख से अधिक नियमित कर्मचारी और 44,000 संविदा कर्मचारी पहले ही नामांकित हैं।

नई वर्दी कोल इंडिया कर्मचारियों के बीच साझा पहचान, व्यावसायिकता और सुरक्षा संस्कृति को बढ़ावा देती है।

केंद्रीय कोयला और खान मंत्री श्री जी. किशन रेड्डी ने आज कोल इंडिया कर्मचारियों के लिए नई वर्दी, कॉर्पोरेट वेतन पैकेज (सीएसपी) और अनुग्रह लाभों में बढ़ोतरी का शुभारंभ किया। कोयला मंत्रालय के मार्गदर्शन में, इन पहलों को कोयला श्रमिकों के सम्मान, सुरक्षा और कल्याण में सुधार पर विशेष ध्यान देते हुए सावधानीपूर्वक डिजाइन और कार्यान्वित किया गया है। ये सभी पहल कर्मचारियों की पहचान को मजबूत करने, उनकी वित्तीय सुरक्षा बढ़ाने और भूमिगत तथा खुली खदानों से लेकर प्रशासनिक कार्यालयों तक, सभी स्तरों पर सामाजिक सुरक्षा को सुदृढ़ करने के लिए एक व्यापक दृष्टिकोण प्रस्तुत करती हैं, जो समावेशी विकास और कार्यबल-केंद्रित नीतियों के प्रति कोल इंडिया की प्रतिबद्धता की पुष्टि करती हैं।

ये उपाय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के "श्रमिक प्रथम" और "श्रमिक कल्याण" को प्राथमिकता देने के दृष्टिकोण के अनुरूप हैं। कोयला श्रमिकों के कल्याण, सुरक्षा और सम्मान को राष्ट्रीय विकास के केंद्र में रखा गया है। यह दृष्टिकोण यह सुनिश्चित करता है कि भारत की ऊर्जा सुरक्षा में उनके योगदान को सम्मान, संरक्षण और निरंतर समर्थन मिले।

कोल इंडिया ने अपनी "वी केयर" पहल के तहत, खदान दुर्घटना में होने वाली दुर्भाग्यपूर्ण मृत्यु की स्थिति में देय अनुग्रह राशि को 15 लाख से बढ़ाकर 25 लाख रुपये कर दिया है। यह बढ़ा हुआ मुआवजा नियमित कर्मचारियों और ठेका श्रमिकों दोनों पर समान रूप से लागू होगा और मृतकों के परिवारों को सीधे भुगतान किया जाएगा, जिससे समय पर और पारदर्शी सहायता सुनिश्चित होगी। हालांकि कर्मचारियों को लेकर "शून्य क्षति" मिशन बना हुआ है।

केंद्रीय मंत्री श्री जे. पी. नड्डा ने नई दिल्ली में मेडटेक फोरम 2025 को संबोधित किया

सुलभ, किफायती स्वास्थ्य सेवा और नवाचार के लिए मेडटेक क्षेत्र महत्वपूर्णः श्री जे. पी. नड्डा ने विकसित भारत 2047 विजन को प्राप्त करने हेतु सहयोग का आह्वान किया

ह्लभारत न केवल एक उच्च-मात्रा निमार्ता के रूप में उभर रहा है, बल्कि वैश्विक मेडटेक बाजार में एक उच्च-मूल्यवान देश के रूप में भी उभर रहा हैह्वः केंद्रीय राज्य मंत्री श्रीमती अनुप्रिया पटेल

डॉ. विनोद के. पॉल ने चिकित्सा उपकरण क्षेत्र में नवाचार, अनुसंधान और विकास, सामर्थ्य तथा घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए सरकार की परिवर्तनकारी पहलों को रेखांकित किया

(जीएनएस)।

केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण तथा रसायन और उर्वरक मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा ने आज नई दिल्ली से एक वीडियो संदेश के माध्यम से 11वें एशिया प्रशांत मेडटेक फोरम (एपीएसीमेड) 2025 के उद्घाटन सत्र को संबोधित किया।

केंद्रीय मंत्री ने अपने संबोधन में इस बात पर बल दिया कि मेडटेक क्षेत्र भारत में स्वास्थ्य परिवर्तन का एक प्रमुख स्तंभ है। उन्होंने इस क्षेत्र के व्यापक दायरे को रेखांकित किया। इसमें निदान, उन्नत उपकरण, डिजिटल स्वास्थ्य और एआई-संचालित समाधान शामिल हैं - ये सभी स्वास्थ्य सेवा को प्रत्येक नागरिक के लिए अधिक सुलभ, कुशल और किफायती बनाने में योगदान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र उच्च-गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवा का एक विश्वसनीय प्रदाता बन गया है। इसे पहुँच, नवाचार और बुनियादी ढाँचे के विकास पर सरकार से समर्थन प्राप्त है।

केंद्रीय मंत्री महोदय ने उन्नत विनिर्माण, जटिल प्रौद्योगिकियों के अनुसंधान और विकास तथा वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में एकीकरण के माध्यम से भारत में एपीएसीमेड सदस्यों की बढ़ती उपस्थिति का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि फोरम का विषय और एजेंडा प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के विकसित भारत 2047 के दृष्टिकोण के साथ निकटता से जुड़ा हुआ है।

श्री नड्डा ने इस वर्ष के फोरम के चार विषयगत स्तंभों को रेखांकित किया :

मेडटेक में वैश्विक नेतृत्व के लिए भारत को खोलना

सीमाहीन नवाचार - बेहतर से सफलता की ओर

सभी के लिए मेडटेक - आदर्श प्रदान करना और परिणाम प्राप्त करना

मेडटेक का विस्तार - भारत के मेडटेक भविष्य में निवेश

उन्होंने बताया कि ये स्तंभ एक ऐसी स्वास्थ्य सेवा प्रणाली के साझा दृष्टिकोण का सार प्रस्तुत करते हैं, जो नवोन्मेषी, समावेशी और विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी हो। श्री नड्डा ने विश्वास व्यक्त किया कि अगले दो दिनों के विचार-विमर्श से रणनीतियों को आकार मिलेगा, नए अवसर खुलेंगे और भारत को चिकित्सा प्रौद्योगिकी का वैश्विक केंद्र बनाने के मिशन को मजबूती मिलेगी।

केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण तथा रसायन और उर्वरक राज्य मंत्री श्रीमती अनुप्रिया पटेल ने समारोह को संबोधित करते हुए भारत के मेडटेक और चिकित्सा उपकरण क्षेत्र को मजबूत करने के लिए सरकार की कई प्रमुख पहलों को रेखांकित किया। इनमें घटक निर्माण को समर्थन देने के लिए एक नई योजना, साझा बुनियादी ढाँचे का विकास, ब्रांडिंग और महत्वपूर्ण बाजार और नैदानिक अध्ययन शामिल हैं।

उन्होंने सरकार की निवेशक-अनुकूल नीतियों पर भी बल दिया। इनमें चिकित्सा उपकरणों में शत प्रतिशत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश, एक निर्यात संवर्धन परिषद की स्थापना और व्यापार को आसान बनाने और निर्यात के अवसरों को व्यापक बनाने के लिए एक राष्ट्रीय चिकित्सा उपकरण संवर्धन परिषद का गठन शामिल है।

श्रीमती पटेल ने कहा की "भारत न केवल एक उच्च-मात्रा वाले निमार्ता के रूप में उभर रहा है, बल्कि वैश्विक मेडटेक बाजार में एक उच्च-मूल्य वाले देश के रूप में भी उभर रहा है। अगली छलांग सहयोग से आएगी और मैं सभी हितधारकों को भारत के साथ मिलकर ऐसे समाधान बनाने के लिए आमंत्रित करती हूँ जो हमारे 1 अरब 40 करोड़ नागरिकों और उभरते बाजारों की व्यापक स्वास्थ्य सेवा आवश्यकताओं दोनों की पूर्ति करेंगे।"

नीति आयोग के सदस्य (स्वास्थ्य) डॉ. विनोद के. पॉल ने कार्यक्रम में बोलते हुए चिकित्सा उपकरण क्षेत्र में नवाचार, अनुसंधान और विकास, सामर्थ्य और घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए हाल के वर्षों में सरकार द्वारा किए गए परिवर्तनकारी उपायों की श्रृंखला की रूपरेखा प्रस्तुत की।

उन्होंने राष्ट्रीय चिकित्सा उपकरण नीति 2023 को एक ऐतिहासिक कदम बताया, यह समग्र क्षेत्रीय विकास के लिए एक व्यापक रूपरेखा तैयार करती है। फार्मा-मेडटेक क्षेत्र में अनुसंधान और विकास और नवाचार नीति, आंध्र मेडटेक जोन की तर्ज पर चिकित्सा उपकरण पार्कों का विकास, उत्पादकता से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना, और फार्मा-मेडटेक क्षेत्र में अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने (पीआरआईपी) की शुरूआत। इसे ब्रिक्स योजना के रूप में जाना जाता है और इसके पूरक के रूप में कार्य किया है।

एपीएसीमेड के एशिया प्रशांत क्षेत्र के अध्यक्ष जॉन कॉलिंग्स ने एक एकीकृत आवाज बनाकर देखभाल के मानकों को आगे बढ़ाने के एपीएसीमेड के उद्देश्य को रेखांकित किया। इससे उन्हें बाजार पहुँच बढ़ाने के लिए नियामक मानकों में सामंजस्य स्थापित करने हेतु नीति निमार्ताओं के साथ जुड़ने का अवसर मिलता है।

16-17 सितंबर 2025 को नई दिल्ली में आयोजित होने वाले इस दो दिन के फोरम का आयोजन एशिया पैसिफिक मेडिकल टेक्नोलॉजी एसोसिएशन द्वारा "स्वस्थ भारत - एक स्वस्थ भारत, साथ मिलकर" थीम के अंतर्गत किया जा रहा है। इस फोरम में एशिया प्रशांत क्षेत्र के 10 से ज्यादा देशों के वरिष्ठ नीति निमार्ताओं, वैश्विक उद्योग जगत के नेताओं, नियामकों और स्वास्थ्य सेवा विशेषज्ञों को एक मंच पर लाया गया है। इससे प्रधानमंत्री के हेल्थकेयर विजन 2030 और विकसित भारत 2047 के अनुरूप भारत के मेडटेक रोडमैप को आकार देने की रणनीतियों पर चर्चा की जा सके।

2014 में स्थापित और सिंगापुर में मुख्यालय वाला, एशिया पैसिफिक मेडिकल टेक्नोलॉजी एसोसिएशन (एपीएसीमेड) 350 से ज्यादा अग्रणी चिकित्सा उपकरण कंपनियों का प्रतिनिधित्व करता है और विश्व स्वास्थ्य संगठन और अंतर्राष्ट्रीय चिकित्सा उपकरण नियामक मंच जैसी वैश्विक नियामक संस्थाओं के साथ मिलकर काम करता है। भारत में, एपीएसीमेड के 40 से ज्यादा सदस्य संगठन उच्च-गुणवत्ता वाले और नवोन्मेषी स्वास्थ्य सेवा समाधानों तक पहुँच बढ़ाने के लिए सरकार और व्यापार संघों के साथ सक्रिय रूप से जुड़े हुए हैं।

सरदार वल्लभभाई पटेल का ए आई -संचालित होलोबॉक्स 17 सितंबर 2025 को शुरू किया जाएगा

(जीएनएस)।

अत्याधुनिक प्रधानमंत्री संग्रहालय दुनिया में अपनी तरह का एकमात्र संग्रहालय है। यह संग्रहालय स्वतंत्रता के बाद से भारत के सभी प्रधानमंत्रियों के जीवन, दृष्टिकोण और योगदान को प्रदर्शित करता है। संग्रहालय में आने वाले आगंतुकों को इतिहास की एक गहन यात्रा पर ले जाया जाता है। यहाँ उन्हें दुर्लभ कलाकृतियाँ, निजी सामान, अभिलेखीय सामग्री और मल्टीमीडिया प्रस्तुतियाँ देखने को मिलती हैं। यह हमारे नेताओं की कहानियों को जीवंत रूप से बयां करती हैं।

नवाचार और नवीनतम तकनीक के उपयोग के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को जारी रखते हुए, संग्रहालय अपनी दीघार्ओं में असाधारण सरदार वल्लभभाई पटेल का एक आदमकद एआई-संचालित होलोबॉक्स - 17 सितंबर 2025 को प्रदर्शित करने के लिए तैयार है। यह अभूतपूर्व एआई-संचालित इंटरैक्टिव होलोबॉक्स दर्शकों के देश के दूरदर्शी लोगों से जुड़ने के तरीके को बदल देगी।

पहली बार आगंतुक देश के लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल के अति-यथार्थवादी 3ऊ अवतार के साथ जीवंत, इंटरैक्टिव बातचीत कर पाएँगे।

एआई-होलोबॉक्स पहल को आगे बढ़ाते हुए संग्रहालय भविष्य में श्री ए.पी.जे. अब्दुल कलाम का एक आदमकद एआई-संचालित

अत्याधुनिक तकनीक के साथ मिश्रित यह अग्रणी पहल एक आकर्षक और शैक्षिक अनुभव प्रदान करती है। यहाँ आगंतुक सरदार वल्लभभाई पटेल के जीवन, दर्शन और देश के इतिहास के महत्वपूर्ण क्षणों पर प्रश्न पूछ सकते हैं और उत्तर प्राप्त कर सकते हैं। इस होलोबॉक्स प्रस्तुत करने की दिशा में काम कर रहा है। इससे आने वाली पीढ़ियों को उनकी दूरदर्शिता और ज्ञान से प्रेरित किया जा सके।

17 सितंबर की तारीख देश के लिए दोहरा ऐतिहासिक महत्व रखती है। 1948 में इसी दिन ऑपरेशन पोलो की सफलता के साथ हैदराबाद निजाम के शासन से मुक्त होकर भारतीय संघ में शामिल हुआ था - यह उपलब्धि सरदार वल्लभभाई पटेल की राष्ट्रीय एकता के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता के कारण संभव हुई थी। दो साल बाद 17 सितंबर 1950 को श्री नरेंद्र मोदी जी का जन्म हुआ। वह दशकों बाद 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के विजन के अंतर्गत एकता और अखंडता की भावना को और मजबूत करने के लिए समर्पित एक नेता के रूप में उभरे।

प्रधानमंत्री संग्रहालय और पुस्तकालय के निदेशक श्री अश्विनी लोहानी ने कहा की "यह एआई-संचालित होलोबॉक्स तकनीकी से कहीं बढ़कर है। यह अतीत और वर्तमान के बीच एक सेतु है - हमारे महान नेताओं के ज्ञान को युवा पीढ़ी के लिए सुलभ और आकर्षक बनाने का एक प्रयास।

सरदार पटेल ने भौगोलिक रूप से भारत का एकीकरण किया। इसके माध्यम से हम देश के युवाओं को उसकी ऐतिहासिक चेतना से जोड़ने की आकांक्षा रखते हैं।"

प्लेनेटेरियम और संग्रहालय के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री राजेंद्र चंदन पुगलिया ने कहा की "होलोबॉक्स 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना दशार्ता है—आधुनिक भारत को आकार देने वाले व्यक्ति को श्रद्धांजलि और प्रधानमंत्री मोदी जी के विरासत को उच्च तकनीक के साथ जोड़ने के दृष्टिकोण का प्रतिबिंब। यह अनुभवात्मक इतिहास में एक वैश्विक मानदंड स्थापित करेगा और दुनिया भर में इसी तरह के नवाचारों को प्रेरित करेगा"।

इस दिन एआई होलोबॉक्स का शुभारंभ न केवल भारत के एकीकरण में सरदार पटेल की निर्णायक भूमिका का सम्मान करता है, बल्कि प्रधानमंत्री मोदी जी के विरासत को आधुनिक तकनीक के साथ जोड़ने के दृष्टिकोण को भी दशार्ता है।

रसायन एवं पेट्रोरसायन विभाग ई-कचरा निपटान, स्वच्छता और कार्यस्थल दक्षता पर नए सिरे से ध्यान केंद्रित करते हुए विशेष अभियान 5.0 के लिए तैयार

(जीएनएस)।

भारत सरकार अब 2 से 31 अक्टूबर 2025 तक चलने वाले विशेष अभियान 5.0 की तैयारी कर रही है, और डीसीपीसी कुशल प्रशासन और स्वच्छ शासन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराती है। विशेष अभियान 5.0 का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के ई-कचरा प्रबंधन नियम 2022 के अनुसार ई-कचरे के निपटान, स्थान प्रबंधन और क्षेत्रीय कार्यालयों के कार्यस्थल अनुभव को बेहतर बनाना है।

2 अक्टूबर 2023 से 31 अक्टूबर 2024 तक आयोजित विशेष अभियान 4.0, रिकॉर्ड प्रबंधन, शिकायत निवारण, स्क्रैप निपटान और स्वच्छता अभियान में महत्वपूर्ण उपलब्धियां दर्ज करते हुए सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

विशेष अभियान 4.0 के अंतर्गत, डीसीपीसी मुख्यालय ने रिकॉर्ड प्रबंधन और सार्वजनिक सेवा वितरण की व्यापक गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लिया:

2,443 भौतिक फाइलों की पहचान की गई, जिनमें से 231 की समीक्षा की गई तथा स्थान की क्षमता के आधार पर हटा दिया गया।

इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड में 4,656 ई-फाइलें और 5,698 ई-रसीदें पहचानी गईं, जिनमें से 851 ई-फाइलों और 2,881 ई-रसीदों की समीक्षा की गई।

विभाग को तीन जन शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से दो का अभियान के दौरान सफलतापूर्वक समाधान किया गया।

आठ संसदीय आश्वासनों (रासायनिक प्रभाग के अंतर्गत पांच और पेट्रोकेमिकल प्रभाग के अंतर्गत तीन) की जांच भी की गई।

अनुपयोगी फर्नीचर, रिकार्ड और अन्य अनावश्यक वस्तुओं को हटाकर सफाई और स्थान अनुकूलन अभियान चलाया गया, जिसके परिणामस्वरूप कार्यस्थल का वातावरण अधिक कुशल और कर्मचारी-अनुकूल हो गया।

नवीनीकरण कार्यों को समयबद्ध रूप से पूरा करना सभी विभागों की जिम्मेदारी है लापरवाही नहीं होनी चाहिए : सीएम योगी

(जीएनएस)।

नवीनीकरण कार्यों को समयबद्ध रूप से पूरा करना सभी विभागों की जिम्मेदारी है। इसमें किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। आगामी 30 सितंबर तक लोक निर्माण विभाग द्वारा सर्वे पूरा कर कार्ययोजना शासन को प्रस्तुत की जाए।

यह अभियान प्रदेशवासियों की सुविधा और सुरक्षा से सीधे तौर पर जुड़ा है। इसलिए सभी विभागीय अधिकारी पारदर्शिता, उत्तरदायित्व और समयबद्धता को सर्वोच्च

प्राथमिकता दें। कार्यों की प्रगति की दैनिक निगरानी हो तथा शासन स्तर पर नियमित रिपोर्ट उपलब्ध कराई। वर्तमान में उत्तर प्रदेश में अधिकांश राजमार्ग और एक्सप्रेसवे पूर्व-पश्चिम दिशा में केन्द्रित हैं। ऐसे में अब आवश्यकता है कि नेपाल सीमा से लेकर प्रदेश के दक्षिणी छोर तक फैले जनपदों को जोड़ने वाला एक सुदृढ़ 'उत्तर-दक्षिण कॉरिडोर' तैयार किया जाए।

इस उद्देश्य से राष्ट्रीय राजमार्गों के अन्तर्गत आने वाले हिस्सों में ठलअक का सहयोग लिया जाए और शेष मार्गों का निर्माण, सुदृढ़ीकरण तथा चौड़ीकरण राज्य स्तर पर कराया जाए। जहां आवश्यक हो, वहां ग्रीनफील्ड रोड परियोजनाएं प्रस्तावित की जाएं:

मदिरा की अवैध बिक्री की रोकथाम के दृष्टिगत चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत दो अभियुक्त गिरफ्तार

लखनऊ (जीएनएस)।

आबकारी आयुक्त उत्तर प्रदेश एवं जिलाधिकारी लखनऊ महोदय द्वारा दिए गए आदेश के अंतर्गत एवं संयुक्त आबकारी आयुक्त लखनऊ जोन तथा उप आबकारी आयुक्त लखनऊ प्रभार के निर्देशन व जिला आबकारी अधिकारी, लखनऊ के नेतृत्व में 15/09/2025 की रात्रि में मोनिका यादव आबकारी उत्तम पंडित विधान केसरी निरीक्षक सेक्टर 1,विवेक सिंह आबकारी निरीक्षक सेक्टर 5,शिखर कुमार मल आबकारी निरीक्षक सेक्टर 6 तथा अखिलेश कुमार आबकारी निरीक्षक श्रेत्र 2 को कंपोजिट शॉप सीतापुर रोड (नियर डालीगंज रेलवे क्रॉसिंग से जानकीप्रसाद अग्रवाल पेट्रोल पंप के मध्य)से दो 180' आइकॉनिक व्हाइट,दो 375 टछ आइकॉनिक व्हाइट के, ब्लेंडर प्राइड के दो 375'' एवं 180'' ,रॉयल स्टैग तीन 180'',इंपीरियल ब्लू के एक 180'',स्टर्लिंग रिजर्व बी7 के एक 180'' अवैध मदिरा प्राप्त हुए विभागीय ऐप से

स्कैन करने पर की बियर ट्यूबर्ग स्ट्रांग एस्ट्रल माल्ट बियर प्राप्त हुए। दिनांक 15/09/2025 को मदेय गंज थाने में अभियुक्त राजेश जायसवाल एवं अशोक कुमार जायसवाल के विरुद्ध आबकारी अधिनियम एवं इटर की सुशांगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत करते हुए को मौके से गिरफ्तार कर जेल भेजा गया ।

अन्य कार्यवाही में रेस्टोरेंट आदि में मदिरा की अवैध बिक्री की रोकथाम के दृष्टिगत चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत आज दिनांक 15-16/09/2025 की मध्यरात्रि को मोनिका यादव, आबकारी निरीक्षक, सेक्टर 01 लखनऊ , रजनीश प्रताप सिंह आबकारी निरीक्षक सेक्टर 03 लखनऊ और अरविंद पाल बघेल आबकारी निरीक्षक सेक्टर 4 मयस्टाफ द्वारा हजरतगंज स्थित टनाटन रेस्टोरेंट में बिना बार लाइसेंस के अवैध रूप से मदिरापान कराते पकड़ा गया है। रेस्टोरेंट से कुल 40 पीस सीलबंद बोतल,39 हाय रेंज की खुली बोतल ,40 पीस बियर विभिन्न ब्रांड बरामद हुई। समस्त मदिरा उत्तर प्रदेश में बिक्री हेतु अनुमन्य है। इसके अतिरिक्त रेस्टोरेंट से मदिरा बिक्री के बिल भी बरामद किए गए। रेस्टोरेंट के मैनेजर राकेश कुमार,शिवम् कुमार, अरविन्द कुमार, श्याम सिंह ,संजय कुमार गिरी, कारपोरेट पार्टनर नाजिर शेख के विरुद्ध थाना हजरतगंज में आबकारी व इटर की सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत करते हुए को मौके से गिरफ्तार कर जेल भेजा गया। टीम में आबकारी सिपाही विवेक आनंद,प्रभात उपाध्याय,अबुल कलाम तथाअंकुर सिंह उपस्थित रहे।

डायट फरीदपुर बरेली में नवाचार महोत्सव का दूसरा दिन, नवाचारी शिक्षकों को किया गया सम्मानित

बरेली (फरीदपुर)। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) फरीदपुर में चल रहे नवाचार महोत्सव के दूसरे दिन उच्च प्राथमिक विद्यालयों के शिक्षकों तथा डायट के प्रवक्ताओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। इस अवसर पर संयुक्त शिक्षा निदेशक राकेश कुमार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

मुख्य अतिथि राकेश कुमार ने कहा कि ह्लनवाचार जीवन की निरंतरता का प्रतीक है। प्रत्येक शिक्षक को निरंतर नवाचार करते रहना चाहिए क्योंकि शिक्षक से समाज की बड़ी अपेक्षाएँ होती हैं। कोरोना काल में भी नवाचार और संकल्प शक्ति के बल पर ही मानवता ने विजय प्राप्त की।ह्व उन्होंने यह भी कहा कि आजकल उच्च कोटि के नवाचारों को आर्थिक मदद देने के लिए कई संस्थाएँ आगे आ रही हैं।

डायट प्राचार्य दीप्ति वार्ष्णेय ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए प्रतिभागियों के उत्साह की सराहना की। वरिष्ठ प्रवक्ता मनोज कुमार ने नवाचार महोत्सव की विस्तृत जानकारी दी और बताया कि नवाचारों के कारण ही भारत के युवा सफलता की ऊँचाइयों को छू रहे हैं।

निर्णायक मंडल ने विभिन्न वर्गों से श्रेष्ठ नवाचारी शिक्षकों का चयन कर राज्य स्तर पर भेजने की घोषणा की। चयनित शिक्षकों में झ्र

प्राथमिक वर्ग : मिथिलेश कुमारी (प्रा.वि. बढ़ेपुरा, नवाबगंज)

उच्च प्राथमिक वर्ग : रितु राठौर (डरुआपुर आलमपुर जाफराबाद)

माध्यमिक वर्ग : वनिता श्रीवास्तव (कुसुम कुमारी कन्या इंटर कॉलेज)

प्रवक्ता वर्ग : श्रीकांत मिश्रा (अंग्रेजी विषय प्रवक्ता)

मुख्य अतिथि ने नवाचार संबंधी स्टॉलों का निरीक्षण किया और सभी विजेताओं को बधाई दी।

निर्णायक मंडल में डॉ. राजेंद्र सिंह (जंतु विज्ञान विभाग, बरेली कॉलेज), डॉ. नीलम गुप्ता (राजनीति विज्ञान), तथा डॉ. बीनम गुप्ता (जंतु विज्ञान) शामिल रहे।

आयोजन मंडल में डॉ. फहमिना, आकांक्षा, महेंद्र पाल सिंह, दिनेश कुमार सिंह, सावित्री यादव, वंदना सहाय, अर्चना आदि सक्रिय रहे। इस अवसर पर श्रीकांत मिश्रा, विनोद कुमार, डॉ रूबी, सूर्य प्रताप सिंह, सौरभ मिश्रा, डॉ. नीति माहौर, राजेश कुमार, कुमारी अंशु, ज्योति यादव, भावना, अदिति पंत, हिमांशु राठौर, राकेश कुमार गंगवार, पारुल, रश्मि समेत सैकड़ों शिक्षक व डीएलएड प्रशिक्षु मौजूद रहे।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. कृष्ण कुमार ने किया।

सारी दुनिया मुझे लायन के नाम से जानती डीएसपी साब

मुंबई से नूरानपुर पहुंचे फिल्मी कलाकारों को देखने उमड़ी भीड़ शहजाद खान एवं अरुण जोशी संग सेल्फी लेने वालों की मची होड़

बिलसंडा ' मोना डार्लिंग,तुम माइकल के साथ रमेश की मां को लेकर बंदरगाह पहुँचो,वहां पीटर तुम्हारा इंतजार कर रहा है। सारा शहर में मुझे लायन के नाम से जानता डीएसपी साहब...यह मशहूर डायलॉग अस्सी के दशक में क्रूर खलनायक अजीत सिंह के हैं।जिन्हें सोमवार को उनके ही पुत्र शहजाद खान ने बोलकर लोगों की जमकर वाहवाही लूटी और ठहाके लगाने पर विवश कर दिया।

उप्र.उद्योग व्यापार मंडल के नगर अध्यक्ष अवनीश जायसवाल के बुलावे पर वह अपने साथी गायक अरुण जोशी के साथ सोमवार को नूरानपुर गांव में चल रहे ऐतिहासिक रामलीला मेले में शिरकत करने आए थे।मुंबई नगरी से फिल्म अभिनेता अरुण बख्शी एवं शहजाद खान का घंटों से पब्लिक इंतजार कर रही थी।उनके आने की खबर पहले ही थी।लिहाजा रात्रि आठ बजे जैसे ही वह मेले में पहुंचे तो खचाखच भरे पंडाल में भीड़ के बीच वह फंस गए।भारी मशक्कत के बाद पुलिस के जवानों ने उन्हें स्टेज पर पहुंचाया।स्टेज पर पहुंचे तो उन्हें देखने वालों का भारी हुजूम उमड़ पड़ा।देखते ही देखते भारी भीड़ बेकाबू होकर स्टेज पर पहुंच गई।उनकी एक झलक पाने को लोग बेताब दिखे,और हर कोई उनके साथ सेल्फी लेने को लालायित दिखा।जिसके चलते स्थिति नियंत्रित करने को भारी पुलिस फोर्स भी बुलाई गई।इस दौरान लोगों ने उनसे पापा अजीत के डायलॉग की मांग की, तो उन्होंने फिल्म कालीचरण का डायलॉग...रॉबर्ट इस हरामी को लिक्विड ऑक्सीजन में डाल दो। लिक्विड इसे जीने नहीं देगा,और ऑक्सीजन इसे मरने नहीं देगा। ब

मुरादाबाद रोड फरुर्खाबाद एमएफ हाईवे पर मां संतोषी कोल्ड स्टोर रेहड़िया के पास रोड पर पड़ा पाखड़ का पेड़ हो सकता है बड़ा हादसा

मुरादाबाद रोड फरुर्खाबाद एमएफ हाईवे पर मां संतोषी कोल्ड स्टोर रेहड़िया के पास रोड पर पड़ा पाखड़ का पेड़ हो सकता है बड़ा हादसा

बता दे की रहेडिया के समीप बना मां संतोषी कोल्ड स्टोर के पास पाखड़ा का पेड़ रोड पर पड़ा हुआ है आने जाने वाले वाहनों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है पुष्पेंद्र गंगवार वन विभाग दरोगा जी से मां संतोषी के कोल्ड स्टोर के मालिक ने बात भी की मगर पाखड़ का पेड़ अभी तक नहीं हटाया गया आपको बता दें कि मुरादाबाद फरुर्खाबाद एमएफ हाईवे पर रहेडिया चौकी के थोड़े आगे रोड पर पाखड़ का पेड़ पड़ा हुआ है कोई भी अधिकारी प्रशासन गौर नहीं दे रहा वाहनों को आने-जाने में काफी

परेशानी हो रही है कभी भी हो सकता है बड़ा हादसा माननीय मुख्यमंत्री योगी अदित्यनाथ की सरकार में बन विभाग प्रशासन चुपी शायदे हुए बैठे है

चेयरमैन की शिकायत पर सिटी मजिस्ट्रेट की अध्यक्षता में कमेटी गठित

(जीएनएस)।

पीलीभीत। नगर पंचायत नौगवां पकड़िया की चेयरमैन संदीप कौर संधू द्वारा नगर पालिका पीलीभीत पर नगर क्षेत्र का करीब 40 प्रतिशत अपशिष्ट जल उनके क्षेत्र व तालाबों में छोड़े जाने के आरोप के बाद अधिकारियों ने जांच के लिए तीन सदस्यीय कमेटी गठित कर दी है।

मुख्यमंत्री को भेजी गई शिकायत के आधार पर एडीएम वित्त ऋतु पूनिया ने सिटी मजिस्ट्रेट विजय वर्धन तोमर की अध्यक्षता में कमेटी बनाई

है। इसमें एसडीएम सदर श्रद्धा सिंह, जेई विनिमय क्षेत्र कृष्ण चंद्र और जेई नगर पालिका सिविल सत्येंद्रनाथ सदस्य रहेंगे। कमेटी को एक सप्ताह में प्रकरण की जांच कर रिपोर्ट सौंपने को कहा गया है।

संदीप कौर ने आरोप लगाया है कि नगर पालिका की लापरवाही से उनके क्षेत्र का जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है और संक्रामक बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। कमेटी गठन से उम्मीद जताई जा रही है कि जल निकासी व अपशिष्ट जल के फैलाव की समस्या का समाधान होगा और तालाबों की सफाई भी सुनिश्चित होगी।

भाजपा नेता राम प्रताप मिश्र ने केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद से जन समस्याओं को लेकर की मुलाकात

पीलीभीत। जिले की विभिन्न जन समस्याओं को लेकर भाजपा नेता राम प्रताप मिश्र ने दिल्ली स्थित सांसद आवास पर केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद और शशि मोहन अग्निहोत्री से शिष्टाचार भेंट की।

इस दौरान उन्होंने मंत्री को अवगत कराया कि क्षेत्र में सड़कें बदहाल होने, लगातार बिजली कटौती, स्वास्थ्य सेवाओं की कमी, किसानों को समय से खाद-बीज उपलब्ध न

होने तथा युवाओं के लिए रोजगार के अवसरों की कमी जैसी गंभीर समस्याएँ बनी हुई हैं।

उन्होंने मंत्री से आग्रह किया कि इन समस्याओं के समाधान के लिए विभागीय अधिकारियों को शीघ्र निर्देशित किया जाए, जिससे आम जनता को राहत मिल सके।

केंद्रीय मंत्री ने आश्वासन दिया कि वह जनहित के मुद्दों पर प्राथमिकता के आधार पर कार्यवाही करेंगे और शीघ्र ही संबंधित विभागों से समीक्षा बैठक करेंगे।

सद्गुरु सतपाल जी महाराज के जन्मोत्सव पर बीसलपुर में निकली भव्य सद्भावना शोभायात्रा

पीलीभीत (बीसलपुर)।

मानव उत्थान सेवा समिति शाखा बीसलपुर के तत्वावधान में एवं सद्गुरु श्री सतपाल जी महाराज की प्रेरणा से रविवार को नगर में भव्य सद्भावना शोभायात्रा का आयोजन किया गया।

शोभायात्रा का शुभारंभ श्रीरामलीला मैदान से हुआ, जिसे नगर चेयरमैन पति अमन जायसवाल उर्फ निक्की जायसवाल ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यात्रा का नेतृत्व प्रभारी महात्मा श्री अनुरक्ति बाई जी, श्री आलोकानंद जी एवं श्री महेशी बाई जी ने किया।

यात्रा में रथ पर विराजमान सद्गुरु देव श्री सतपाल जी महाराज के चित्र को सजाया गया। श्रद्धालुजन हाथों में महापुरुषों के चित्र व हंस नाम के झंडे लिए जयकारे लगाते हुए चल रहे थे। महिलाएँ सिर पर कलश धारण कर भक्ति रस से भरे भजन गाती हुई यात्रा की शोभा बढ़ा रही थीं। ढोल-बाजों की गूंज और भक्तिमय माहौल ने नगरवासियों का मन मोह लिया।

शोभायात्रा रामलीला मैदान में

पहुंचकर संपन्न हुई, जहाँ विशाल सत्संग कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में अशोक कुमार, रामकिशोर, चंद्र पाल एडवोकेट, सुरेश कुमार, ज्वाला प्रसाद गंगवार, रामस्वरूप वर्मा, मेवाराम मौर्य, मोहित, ववलू गंगवार, ऋषीपाल, रामकुमार, कुंदन लाल, सर्वेश कुमार मर्मी, रामभरोसे लाल, बाबूराम सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

दूर-दूर से आए श्रद्धालुओं ने सत्संग, आरती और भंडारे में भाग लेकर आध्यात्मिक आनंद प्राप्त किया। इस अवसर पर मानव उत्थान सेवा समिति शाखा बीसलपुर के नगर अध्यक्ष चंद्र पाल एडवोकेट ने मुख्य अतिथि अमन जायसवाल और विशिष्ट अतिथि गोपाल कृष्ण अग्रवाल का स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया।

कार्यक्रम को सफल बनाने में नगर पालिका परिषद बीसलपुर, रामलीला मेला कमेटी और समस्त आगंतुक भक्तों का विशेष योगदान रहा।

पीलीभीत में गौवंशीय मवेशी की हत्या के मामले में दो कसाई गिरफ्तार, दो फरार

पीलीभीत। दियोरिया कोतवाली क्षेत्र में गौवंश की हत्या के मामले में पुलिस ने दो कसाईयों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया, जबकि दो फरार हो गए। दस दिन पूर्व कटना नदी के समीप झाड़ियों में गौवंश के अवशेष मिलने से सनसनी फैल गई थी। पुलिस ने मौके पर अवशेषों की जांच पशु चिकित्साधिकारी से कराकर जेसीबी से गड्ढा खुदवाकर दफन कराया था और अज्ञात कसाईयों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू की थी। कोतवाली प्रभारी दिगम्बर सिंह सोमवार की रात्रि गश्त पर थे, तभी वादियां तिराहे के

समीप छोटा हाथी खड़ा देख लोगों से पूछताछ की। इस दौरान अंधेरे का फायदा उठाकर दो आरोपी भाग निकले, जबकि दो को पकड़ लिया गया। पूछताछ में पकड़े गए युवकों ने अपराध कबूल कर लिया और फरार साथियों के नाम भी बताए।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान उरमान पुत्र शमीम निवासी ग्यासपुर बीसलपुर और नवी उर्फ पप्पू पुत्र नसीर निवासी पूरनपुर के रूप में हुई है। दोनों का मेडिकल परीक्षण कराकर जेल भेज दिया गया है। फरार आरोपियों की तलाश में पुलिस दबिश दे रही है। यह घटना 5 सितंबर की रात सामने आई थी, जब कसाईयों ने आवारा घूम रहे एक गौवंश की हत्या कर मांस निकाल लिया और अवशेष वहीं छोड़कर फरार हो गए थे। घटना से ग्रामीणों में भारी आक्रोश है।

सरकार के आदेशों की धज्जियां उड़ाते इंडियन ऑयल के पेट्रोल पंप जिलाधिकारी लखनऊ के बगल के पेट्रोल पंप पर ही बिना हेलमेट पेट्रोल मिल रहा है तो राजधानी के बाकी हिस्सों के क्या हाल होंगे?

राजधानी लखनऊ में सरकार का आदेश "नो हेलमेट नो फ्यूल" की खुल कर धज्जियां उड़ रही हैं। जब जिलाधिकारी लखनऊ के निवास के बगल स्थित पेट्रोल पंप पर ही धज्जियां उड़ रही हों, तो राजधानी के बाकी हिस्सों में उड़ना वाजिब है। अब इस मामले में कहां गया यातायात जब राजधानी के मध्य में ही पेट्रोल पंप, अपनी मनमानी दिखा रहे हैं, तो बाकी के पेट्रोल पंप मनमानी दिखाएं तो क्या फर्क पड़ता है और आदेशों का पालन कौन कर रहा है? नो हेलमेट नो फ्यूल पर सरकार ने गंभीरता पूर्वक पालन करने का आदेश दिया था, जिससे आम जन हेलमेट पहनने को लेकर सक्रिय हो, पर इन जैसे पेट्रोल पंप

अपनी कमाई के लिए आदेशों की बत्ती बनाकर कूड़े के ढेर में डालते हुए अपने मनमाने तरीके से पेट्रोल बेच कर अपना व्यवसाय चला रहे हैं। ऐसे में क्या प्रशासन इन पर सख्त रुख अपनाएगा? या ऐसे ही पेट्रोल वितरण होता रहेगा और आदेश खानापूर्ति के तौर पर अपनाया जाएगा?